RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 61 ● भिलाई, गुरुवार 04 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

शामली में मकान और पेड़ गिरे, 3 लोगों की मौत

मेरठ। भारी बारिश के कारण सोमवार को वेस्ट यूपी के जिलों में जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। मेरठ में बारिश के दौरान मकान और पेड़ गिर गए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज भी भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। जिसको देखते हुए मेरठ और मुजफ्फरनगर डीएम ने कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों की छुट्टी घोषित की है। मेरठ के बहसूमा क्षेत्र में रहमापुर में बरसात के दौरान पेड़ गिरने से बाइक सवार लाला (38) निवासी अकबरपुर सादात और सलमान (35) निवासी नगला साहू थाना निवाड़ी जनपद गाजियाबाद की मौत हो गई। दौराला थाना क्षेत्र के अझोता गांव में तेज बारिश में कच्चा मकान गिरने से मलबे में दबकर 80 वर्षीय वृद्ध बालू की मौत हो गई। चार घंटे में ही शहर में 81 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। सुबह से ही भारी बरसात के कारण डीएम डॉ. वीके सिंह ने कक्षा आठ तक स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया।

कोलकाता पुलिस ने सेना के ट्रक को रोका

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने मंगलवार सुबह शहर के राइटर्स बिल्डिंग के सामने भारतीय सेना के एक ट्रक को रोका, जो कथित तौर पर कोलकाता के पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा की कार को पार करने की कोशिश कर रहा था. सिग्नल पर तैनात कोलकाता पुलिस के एक ट्रैफिक सार्जेंट ने तुरंत सेना के ट्रक को रोक लिया. कोलकाता पुलिस ने इस संबंध में सीसीटीवी फुटेज भी जारी किया है. पुलिस ने बताया कि उस सिग्नल से कोई राइट टर्न नहीं था. उधर, सेना के ट्रक को रोककर हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन को सूचना दी गई. हेयर स्ट्रीट पुलिस के वहां पहुंचने पर, ट्रक से दो सैन्यकर्मी उतरे. लगभग आधे घंटे बाद, फोर्ट विलियम से सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे और कोलकाता पुलिस के अधिकारियों से बात की. गौरतलब है कि सोमवार शाम को भारतीय सेना ने मेयो रोड पर आंदोलन कर रहे तृणमूल कांग्रेस के मंच को गिरा दिया था. आरोप है कि अनुमति समाप्त होने के बाद भी मंच नहीं हटाया गया था. इसलिए, फोर्ट विलियम से सेना के जवानों ने आकर मंच और बैनर हटा दिए.

मनसा पूजा देखने गए दो भाइयों की सड़क दुर्घटना में मौत

पूर्व। जिले के गलसी थाना क्षेत्र के बड़मुड़िया इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर सोमवार देर रात सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि उनके दो मित्र गंभीर रूप से घायल हो गए है। मृतकों के नाम जयदेव हेम्ब्रम (27) और महादेव हेम्ब्रम (22)। दोनों अपने दोस्तों के साथ बाइक पर सवार होकर गांगपुर इलाके में मनसा पूजा देखने जा रहे थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रात में गश्त के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर चारों युवकों को रक्तरंजित हालत में पाया गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जयदेव और महादेव को मृत घोषित कर दिया। उनके दो अन्य मित्रों को गंभीर स्थिति में बर्द्धमान के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गणेश विसर्जन की झांकी के दौरान दर्दनाक हादस

जशपुर में धार्मिक शोभायात्रा में घुसी एसयूवी,तीन की मौत...

जशपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में नशे में धुत एक व्यक्ति अपनी एसयूवी को लेकर धार्मिक शोभायात्रा में घुस गया जिससे वाहन की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 22 अन्य घायल हो गए. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. जशपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि घटना मंगलवार देर रात बगीचा थाना क्षेत्र के जुरुदंड गांव में उस समय हुई जब 100 से अधिक स्थानीय लोग गणेश मूर्ति के विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकाल रहे थे. उन्होंने बताया कि बगीचा-जशपुर मार्ग पर स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) ने शोभायात्रा में शामिल लोगों को अपनी चपेट में ले लिया. अधिकारी ने बताया कि विपिन प्रजापति (17), अरविंद केरकेट्टा (19) और खिरोवती यादव (32) नामक तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 22 लोग घायल हो गए जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है. उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल लोगों को पड़ोसी सरगुजा जिले के अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है, जबकि अन्य को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है. अधिकारी ने बताया कि एसयूवी चालक सुखसागर वैष्णव (40) घटना के समय नशे में था और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है तथा वाहन जब्त कर लिया गया है. मामला दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिजन को पांच लाख रुपये तथा प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये मुआवजा देने

की घोषणा की. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जशपुर के बगीचा के जुरुदंड में भगवान गणेश मूर्ति विसर्जन शोभा यात्रा के दौरान हुए एक दुखद हादसे में तीन लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की खबर बेहद दुखद है. जिला प्रशासन को घायलों को उचित उपचार और सभी आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार घायलों और मृतकों के परिजनों के साथ है तथा राज्य सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिजन को पांच लाख रुपये और प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है. हादसे के तुरंत बाद सभी घायलों को बगीचा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां बीएमओ डॉ. सुनील लकड़ा व उनकी टीम ने रातभर उपचार किया। गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। सीएमएचओ डॉ. जी.एस. जात्रा खुद उपचार की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।खबर लिखे जाने तक मृतकों के शव का पोस्टमार्टम शुरू किया गया है.। घटना की जानकारी मिलते ही जशपुर विधायक रायमुनि भगत देर रात अस्पताल पहुंचीं और घायलों व परिजनों से मुलाकात कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वहीं कलेक्टर रोहित व्यास और एसएसपी शशिमोहन सिंह भी मौके पर पहुंचे।

गणेश विसर्जन की झांकी के दौरान दर्दनाक हादसा: मुख्यमंत्री ने जताया गहरा दु:ख

जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के जुरुडांड में गणेश विसर्जन की झांकी के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मृत्यु एवं कई अन्य लोगों के घायल होने की घटना पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि इस हृदयविदारक घटना से मैं व्यथित हूं. ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं. उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि इस दु:ख की घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार मृतकों के परिजनों एवं घायलों के साथ खड़ी है. मुख्यमंत्री साय ने घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन को घायलों की समुचित चिकित्सा व्यवस्था एवं आवश्यक मदद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि किसी भी घायल को इलाज में कोई कमी न हो ।

पीएम मोदी की दिवंगत मां का अपमान

पूरा देश आक्रोश में,विपक्ष को जवाब मिलेगा-स्मृति

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बिहार में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। स्मृति ईरानी ने कहा कि कथित टिप्पणी पूरे देश को आहत करती है क्योंकि पीएम मोदी की मां का राजनीति से कोई संबंध नहीं था और उन्होंने गरीबी में संघर्ष किया था। एक वीडियो संदेश में, भाजपा नेता ने कहा कि बिहार के एक राजनीतिक मंच पर विपक्षी नेताओं द्वारा पीएम मोदी की दिवंगत मां का अपमान पूरे देश को आहत करता है। उस मां का राजनीति से कोई संबंध नहीं था, जिस मां ने अपने

परिवार की रक्षा के लिए गरीबी में संघर्ष किया, जो मां अब हमारे बीच नहीं हैं - ऐसी मां का अपमान हम सभी को पीड़ा देता है। ईरानी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि देश और बिहार की माताएँ और बहनें इस अपमान का विपक्ष को करारा जवाब देंगी।

प्रयागराज में मानसून के मौसम के दौरान बड़े हनुमान मंदिर में पुजारी अभिषेक करते हुए।

सभी स्कूल और कॉलेज 7 सितंबर तक बंद

बाढ़ प्रभावित से मिलने पंजाब जाएंगे शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि वह गुरुवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रभावित परिवारों से मिलने पहुँचेंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार ज़रूरतमंदों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। चौहान ने 𝕏 पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि उन्होंने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां के साथ भारी बारिश के बीच पंजाब की विनाशकारी स्थिति पर चर्चा की। चौहान ने पोस्ट में कहा कि आज मैंने पंजाब के

माननीय राज्यपाल, मुख्यमंत्री जी और कृषि मंत्री जी के साथ पंजाब में भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की और विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मैं कल सुबह पंजाब पहुँचूँगा और बाढ़ प्रभावित इलाकों में अपने भाइयों और बहनों से मिलूँगा।

वोट चोरी पर भाजपा ने लगाए आरोप

पवन खेड़ा की पत्नी के पास भी दो सक्रिय मतदाता पहचान पत्र..

नई दिल्ली/ एजेंसी

पवन खेड़ा के बाद अब भारतीय जनता पार्टी ने उनकी पत्नी को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया कि न सिर्फ पवन खेड़ा बल्कि उनकी पत्नी के पास भी दो सक्रिय मतदाता पहचान पत्र हैं। इस के साथ ही उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। मालवीय ने कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी जो भाजपा पर आरोप लगाते हैं वे अपने ही नेताओं के बीच इस तरह के आपराधिक कृत्यों से खुद को मुक्त नहीं कर सकते। भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित

मालवीय ने दावा किया कि तेलंगाना के खैरताबाद (60) विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार और पवन खेड़ा की पत्नी कोटा नीलिमा के पास भी दो सक्रिय ईपीआईसी (मतदाता फोटो पहचान पत्र) हैं। इनमें एक खैरताबाद (तेलंगाना में विधानसभा क्षेत्र) में पंजीकृत है और दूसरा नई दिल्ली में। उन्होंने कहा कि अब यह साफ हो गया है कि कांग्रेस नेताओं के पास एक से अधिक सक्रिय मतदाता पहचान पत्र हैं और वे एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता हैं। यह कोई संयोग नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी में लिप्त लोग ही आम नागरिकों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने के लिए बदनाम कर रहे हैं। और हमारी संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। अमित मालवीय ने इस दौरान राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपने ही खेमे में हो रहे इन आपराधिक कृत्यों से खुद को मुक्त नहीं कर सकते।

पंजाब में आई चार दशक की सबसे भीषण बाढ़, अब तक हुई 29 लोगों की मौत

चंडीगढ़। पंजाब इस समय पिछले चार दशकों में सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। राज्य के 1,044 से ज्यादा गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है, लाखों हेक्टेयर फसलें तबाह हो गई और मवेशियों के लिए चारा नहीं है। हजारों की संख्या में लोग बाढ़ के कारण घर छोड़कर बेघर हो गए हैं। राज्य के 12 सबसे अधिक प्रभावित जिलों में अब तक 29 लोगों की मौत हो चुकी है। आइए बाढ़ के हालातों पर नजर डालते हैं। पंजाब से सटे हुए हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी क्षेत्रों में इस मानसून में लगातार हुई भारी बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर आ गए। इसका असर पंजाब की प्रमुख नदी रावी, व्यास और सतलुज पर भी पड़ा।

चचेरे भाइयों पर लगाए गंभीर आरोप

निलंबन के 24 घंटे बाद कविता ने बीआरएस से इस्तीफा दिया...

हैदराबाद/ संवाददाता

पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में बीआरएस से निलंबित की गई के कविता ने आज हैदराबाद में पार्टी और एमएलसी पद छोड़ने का एलान किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरा निलंबन पूरे बीआरएस को नियंत्रित करने की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने अपने चचेरे भाई हरीश राव और संतोष राव पर भी गंभीर आरोप लगाए। दोनों पर हमला तेज करते हुए उन्होंने कहा कि चचेरे भाई हरीश राव और संतोष राव के भ्रष्टाचार के कारण केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि

तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद, मैंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और बीआरएस का झंडा पहनकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ पिछड़ा वर्ग आरक्षण और अन्य पहलों के लिए काम किया। मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये गतिविधियां पार्टी विरोधी गतिविधियां कैसे हैं। कुछ पार्टी सदस्यों ने टिप्पणियां कीं, और मैंने उनका जवाब दिया। मैंने हरीश राव और संतोष के बारे में बात की और कहा कि जब उनके घरों में सोना होता है तो सुनहरा तेलंगाना नहीं होता। मैंने पहले अपने भाई केटीआर से मेरे खिलाफ साजिश रचने वाले लोगों के बारे में बात की थी और उनसे कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। मुझे खुशी है कि मेरे निलंबन के बाद बीआरएस की महिला विधायक एकजुट हुईं, जिसकी मैंने हमेशा कल्पना की थी। इस दौरान कविता ने अपने भाई रामा राव को दोनों से बचकर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि चचेरे भाई शुभचिंतक नहीं हैं। साथ ही निलंबित बीआरएस नेता ने पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर राव से अनुरोध किया।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

तीन देशों से आए हिंदू सिख भारत में बगैर पासपोर्ट रह सकेंगे

भारत सरकार ने हाल ही में लागू किए गए इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के साथ एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। एक ओर यह अधिनियम अवैध रूप से देश में प्रवेश करने वाले विदेशियों पर सख्ती से दंड लगाने का प्रावधान करता है यानि बिना वैध पासपोर्ट या वीज़ा प्रवेश करने वालों को पाँच साल तक की जेल और पाँच लाख रुपये तक का जुर्माना भुगतना होगा। दूसरी ओर, यह अधिनियम मानवीय दृष्टिकोण भी अपनाता है और कुछ श्रेणियों को दंडात्मक कार्रवाई से छूट प्रदान करता है। हम आपको बता दें कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले प्रवासी, जो छह अल्पसंख्यक समुदायों— हिंदू, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी—से संबंध रखते हैं और जिन्होंने 31 दिसंबर 2024 तक भारत में वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज़ पर प्रवेश किया था (या जिनका वैधता-काल अब समाप्त हो चुका है), उन्हें इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई से छूट दी जाएगी। यह अधिनियम सोमवार से लागू हुआ है। इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (एक्सेम्प्शन) ऑर्डर, 2025 के अनुसार नेपाल और भूटान के नागरिकों को भी, साथ ही 1959 से 30 मई 2003 के बीच विशेष प्रवेश अनुमति लेकर भारत आए तिब्बतियों को, यदि वे संबंधित विदेशी पंजीकरण अधिकारी के पास पंजीकृत हैं, इसी तरह की छूट दी गई है। हालांकि, नेपाल और भूटान के नागरिक यदि चीन, मकाऊ, हांगकांग या पाकिस्तान के रास्ते से भारत में प्रवेश या निकास करते हैं, तो उन्हें यह छूट नहीं मिलेगी। हम आपको बता दें कि अप्रैल

2025 में पारित इस अधिनियम की धारा 21 के तहत, कोई भी विदेशी यदि बिना वैध पासपोर्ट या वीज़ा जैसे यात्रा दस्तावेज़ों के भारत में प्रवेश करता है, तो उसे अधिकतम पाँच वर्ष की कैद और/या पाँच लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है। वहीं, धारा 23 के अंतर्गत वीज़ा की अवधि से अधिक ठहरने वाले विदेशियों को अधिकतम तीन वर्ष की कैद और/या तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। भारत में शरण लेने वाले पंजीकृत श्रीलंकाई तमिल, जो 9 जनवरी 2015 तक भारत आए, उन पर ठहराव और निकास संबंधी प्रावधान लागू नहीं होंगे। इसके अलावा, भारत में ड्यूटी पर आने-जाने वाले तीनों सेनाओं (थल, जल, वायु) के सदस्य और उनके परिवारजन भी दंडात्मक कार्रवाई से मुक्त रहेंगे। इसी तरह, कूटनीतिक पासपोर्टधारकों को वीज़ा की आवश्यकता नहीं होगी। अधिनियम को लागू करने के अधिकार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सौंपे गए हैं। हम आपको बता दें कि सोमवार को गृह मंत्रालय ने अधिनियम के उल्लंघन पर लगाए जाने वाले संकलित जुर्मानों की अधिसूचना भी जारी की थी। इसके तहत वैध पासपोर्ट और वीज़ा के बिना प्रवेश करने वाले (छूट प्राप्त श्रेणियों को छोड़कर) विदेशियों पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। वीज़ा अवधि से अधिक ठहरने पर क्रमवार दंड लगाया जाएगा।

निवासियों को बड़ी राहत मिलने की संभावना

नई अधिसूचना कानून के दायरे को व्यापक बनाती है ताकि पिछले एक दशक में भारत आए कई लोग नागरिकता प्राप्त कर सकें। यह निर्णय शरणार्थी समुदायों द्वारा वर्षों से किए जा रहे प्रयासों के बाद लिया गया है। यह उल्लेखनीय आदेश हाल ही में पारित हुए आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 के अंतर्गत दिया गया है। 1 सितंबर से प्रभावी यह अधिनियम, पहले के चार अधिनियमों को एकीकृत और उनका स्थान लेता है। हालाँकि यह नया अधिनियम विदेशियों से संबंधित कानूनों को समग्र रूप से मज़बूत बनाता है, लेकिन इस विशेष आदेश में एक मानवीय अपवाद भी शामिल है, जिसके तहत धार्मिक उत्पीड़न से बचकर आए और संभवत: बिना दस्तावेज़ों के भारत में प्रवेश करने वालों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की जा सकती है। इस कदम से उन निवासियों को बड़ी राहत मिलने की संभावना है जो बिना किसी विशिष्ट कानूनी स्थिति के भारत में रह रहे थे।

कबीरधाम में मेडिकल कॉलेज की राह आसान जिला अस्पताल सेवाएं लगातार अपग्रेड

कलेक्टर वर्मा ने पत्रकार वार्ता में दी बड़ी जानकारी

कवर्धा। कबीरधाम जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की राह अब और आसान हो गई है। राज्य शासन ने मेडिकल कॉलेज स्थापना को लेकर ठोस पहल शुरू कर दी है। मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में कलेक्टर गोपाल वर्मा ने मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल की प्रगति पर विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के लिए 40 एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है और 306 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। लक्ष्य है कि अगले शैक्षणिक सत्र से 50 एमबीबीएस सीटों के साथ मेडिकल कॉलेज की शुरुआत हो जाए। इसके लिए जिला अस्पताल की क्षमता 100 बिस्तरों से बढ़ाकर 220 तक की जा रही है। वर्तमान में अस्पताल में 170 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध है। जिला अस्पताल में सेवाएँ भी तेजी से बढ़ी हैं। 2024-25 में जहाँ औसतन 478 मरीज प्रतिदिन ओपीडी में आते थे, वहीं 2025-26 में यह संख्या 563 तक पहुँच गई। भर्ती मरीजों की संख्या भी 30 से बढ़कर 40 प्रतिदिन हो गई है। रेडियोलॉजी विभाग में सीटी स्कैन सुविधा जुलाई से शुरू हुई है और अब तक 190 से अधिक मरीज इसका लाभ ले चुके हैं। हर माह औसतन 1200 एक्स-रे, 750 अल्ट्रासाउंड और 32 हजार पैथोलॉजी टेस्ट किए जा रहे हैं। डायलिसिस यूनिट में 6 मशीनें हैं और हर माह लगभग 380 मरीज इलाज पा रहे हैं। अप्रैल से अगस्त 2025 तक 1403 प्रसव दर्ज किए गए, जिनमें 568 सिजेरियन शामिल हैं। केवल अगस्त माह में ही 345 प्रसव हुए, जो अब तक का रिकॉर्ड है। इसके अलावा जनवरी से अगस्त तक 243 साँप काटने के मरीजों का सफल उपचार हुआ। कलेक्टर वर्मा ने ब्लड बैंक की प्रगति का भी उल्लेख किया। अप्रैल से अगस्त तक 1298 यूनिट रक्त संग्रह किया गया और 1272 यूनिट रक्त का उपयोग मरीजों के उपचार में हुआ। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन का प्रयास है कि मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल की बेहतर सुविधाओं के माध्यम से नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ जिले में ही उपलब्ध हों। प्रेस वार्ता में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र तुर्रे, सिविल सर्जन डॉ. केशव ध्रुव और डीपीएम अनुपमा तिवारी भी मौजूद रहे। कलेक्टर ने पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए भरोसा दिलाया कि स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हेतु मिले सुझावों को प्राथमिकता से लागू किया जाएगा।

प्रभाटोला में सरपंच समेत सैकड़ों ग्रामीणों ने किया भाजपा प्रवेश

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की मौजूदगी में विकास और जनता की विश्वास की राजनीति को मिली मजबूत पैठ

कवर्धा। ग्राम प्रभाटोला में भाजपा ने एक ऐतिहासिक क्षण देखा, जब ग्राम के सरपंच कालीचरण चतुर्वेदी, उपसरपंच अँजोर दास कोसले, पंच घनश्याम लहरे, सालिक दास कुर्रे और सैकड़ों ग्रामीणों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा मौजूद रहे और उन्होंने ग्रामीणों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

विकास और विश्वास की राजनीति

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने भाजपा में शामिल होने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के विकासपरक नेतृत्व से प्रेरित होकर लिया। उनका मानना है कि भाजपा ही वह पार्टी है जो गांव की वास्तविक समस्याओं को समझकर, जनता के बीच रहकर कार्य करती है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रभाटोला में शुरू होने वाले विकास कार्यों से ग्रामीणों को सीधे लाभ मिलेगा।

67 लाख के विकास कार्यों की घोषणा

इस अवसर पर विजय शर्मा ने ग्राम प्रभाटोला के लिए कुल 67 लाख के विकास कार्यों की घोषणा की, जिनमें सड़क निर्माण और नाली निर्माण, रिटेनिंग वॉल और बुनियादी संरचनात्मक सुविधाएँ, ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार से जुड़े अन्य कार्य शामिल हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि कार्य शीघ्र प्रारंभ होंगे और इससे स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा जीवन सुविधाओं में सुधार आएगा।

उद्देश्य और लाभ

ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएँ प्रदान करना और जीवनस्तर में सुधार। सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों के प्रति स्थानीय लोगों का भरोसा। निर्माण कार्यों के दौरान स्थानीय मजदूरी और रोजगार सृजन। सरपंच और सैकड़ों ग्रामीणों का साथ भाजपा में शामिल होना गांव की सामाजिक और राजनीतिक सहभागिता को मजबूत करता है।

राजनीतिक और सामाजिक संदेश

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह सदस्यता ग्रहण केवल राजनीतिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण जनता के विकास और विश्वास की राजनीति को मजबूत करने का प्रतीक है। उन्होंने जोर दिया कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर काम कर रही है और जनता के सहयोग से ही ये विकास कार्य सफल होंगे। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मोहन धुर्वे, युवामोर्चा अध्यक्ष मनीराम साहू और सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्होंने भाजपा में शामिल होकर विकास और सामाजिक सहभागिता का मजबूत संदेश दिया।

प्रधान पाठक बैजी ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे को मिला भारत भूषण गौरव सम्मान

बेमेतरा। शिखर साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ संबंध धरोहर हमारे गौरव के तत्वाधान में रायपुर वृंदावन टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय सम्मान 2025 शिखर साहित्य सांस्कृतिक शैक्षणिक अनुराग एवं समाज सेवा के प्रति सक्रियता को दृष्टिगत रखते हुए और उनकी प्रशंसा करते हुए शिखर साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ से ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक शाला बैजी को सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रधान पाठक ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे को मुख्य अतिथि बस्तर के राजा कमलचंद्र भंजदेव के हाथों भारत भूषण गौरव सम्मान प्रदान किया गया। प्रधान पाठक ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे अपने शिक्षकीय जीवन में अच्छे कार्यों व नवाचारी शिक्षक एवं शासन के आदेश अनुसार विभिन्न गतिविधियों को आत्म साधकर बच्चों में नए-नए तरीके से पढ़ने में वह विभिन्न प्रकार के वाद्य यंत्रों को बजाना, गीत संगीत से लोगों के मन को मुग्ध कर देना तथा पाठ्य पुस्तक के कहानी को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करना तथा पाठ के कविताओं को गीत के रूप में प्रस्तुत करना आदि विधाओं में माहिर है। प्रधान पाठक ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे बहुमुखी प्रतिभा के धनी है।

यह शिक्षक एक पैर से दिव्यांग होते हुए भी विभिन्न कार्यों को बखूबी और बड़ी आसानी से कर लेते हैं। गत वर्ष में शासकीय पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला उघरा में कक्षा पांचवी की एक छात्रा लोकेश्वरी निषाद को नवोदय विद्यालय परीक्षा में विद्यार्थी व शिक्षक के प्रयास से सफलता मिली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाराजा कमलचंद्र भंजदेव राजमहल बस्तर जगदलपुर, कार्यक्रम के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल अध्यक्ष जिला पंचायत रायपुर, विशिष्ट अतिथि शकुंतला धीरेंद्र सेन अध्यक्ष जनपद पंचायत धरसीवां, दिनेश खूटे उपाध्यक्ष जनपद पंचायत धरसीवां, सविता चंद्राकर सभापति उद्योग एवं सहकारिता समिति जिला पंचायत रायपुर पद्मश्री अनूप रंजन पांडे, डोमार सिंह कंवर, डॉ मन्नू लाल चेलक अध्यक्ष शिखर साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़, पत्रकार एवं प्रकाश लहरें व उदय मधुकर शक्ति सहित महानुभावों की उपस्थिति में प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासमुंद के युवा प्रोफेसर विजय मिर्ची ने किया।

केवीके मे किसान दिवस ससह प्राकृतिक खेती पर कार्यशाला का आयोजन

बेमेतरा। निदेशक विस्तार सेवायें, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र, बेमेतरा में केवीके बेमेतरा एवं कृषि विभाग बेमेतरा के संयुक्त तत्वाधान में बलराम जयंती के उपलक्ष्य में प्राकृतिक खेती, गौ कृषि वाणिज्यम एवं तिलहन उत्पादन विषय पर किसान दिवस का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र बेमेतरा के रष्ठ वैज्ञानिक तोषण कुमार ठाकुर ने किसान दिवस कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कृषकों को प्राकृतिक खेती के पांच स्तंभबीजामृत, जीवामृत, फसल आच्छादन, वापसा एवं पौधसंरक्षण के बारे में जानकारी दिया एवं कृषकों को बताया कि समय के साथ खेती में मिट्टी की उर्वरक उपयोग क्षमता में जो कमी आ रही है। जिसके कारण अधिक रसायनिक उर्वरक उपयोग करने के बावजूद उत्पादन में वृद्धि नही हो पा रहा है उसके समाधान के लिए तथा मृदा स्वास्थ्य व कृषि उपज की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए प्राकृतिक खेती के महत्व को समझना व अपनाना जरूरी है। विद्यानंद ठाकुर ने बलराम दिवस की महत्ता को बताया गया, साथ ही साथ उन्होने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे स्वयं एक किसान है और गौ-पालन के साथ प्राकृतिक खेती भी करते है। खेती को टिकाउ, कम खर्चिला व लाभप्रद बनाने के लिए सभी किसानों को प्राकृतिक खेती करना चाहिए। उन्होने बताया कि उनका संगठन किसानों की कृषि से संबंधित समस्याओं को शासन व प्रशासन के संज्ञान में लाते हुए उसके निराकरण हेतु निरंतर प्रयासरत व प्रतिबद्ध है। रवि वर्मा द्वारा अपने उदबोधन में खेती में कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने व उत्पादन लागत को कम करने के लिए सीडड्रिल एवं अन्य उपयोगी कृषि यंत्रों का कृषकों को उपयोग करने का सलाह दिया जिससे ज्यादा से ज्यादा उत्पादन व लाभ प्राप्त किया जा सके। उन्होने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश व देश में बेमेतरा जिला की परंपरागत पहचान जिले के कृषकों द्वारा फसल विविधकरण एवं प्रगतिशील खेती को अपनाने से हुई है और इस पहचान को बनाये रखने की जिम्मेदारी हम सभी किसानों की है। इस अवसर पर कृषकों को सलाह दिया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु कृषक एक एकड़ खेती के लिए एक गाय अवश्य पालें तथा गांव में यदि 50 एकड़ में खेती होती है तो 48 एकड़ क्षेत्रफल में विभिन्न फसल लगाये एवं 2 एकड़ क्षेत्रफल पर कृषक नेपीयर, बरसीम, मक्का इत्यादि जैसे चारें वाली फसलों को अवश्य उगाये ताकि कुशलता पूर्वक गौपालन का कार्य किया जा सके। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषकों को रासायनिक खाद व कीटनाशकों के उपयोग कम से कम करने करने के लिए प्रेरीत किया ताकि रसायनयुक्त कृषि उपज से मानव स्वास्थ्य में होने वाली गंभीर बीमारीयों को कम से कम किया जा सके।

शुरूआत में कृषक कम क्षेत्रफल में प्राकृतिक खेती को अपनाकर इसके लाभ को ध्यान में रखते हुए इसका विस्तार कर सकतें है। इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के साथ 80 से अधिक कृषि अधिकारीगण, जनप्रतिनिधीगण एवं कृषकगण की सक्रिय भागीदारी रही।

नेशनल लोक अदालत हेतु बैंक एवं फाईनेंश कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक

बेमेतरा। नेशनल लोक अदालत हेतु बैंक एवं फाईनेंश कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर चर्चा किया गया। बृजेन्द्र कुमार शास्त्री, प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की अध्यक्षता में व अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में बैंक अधिकारियों एवं फाईनेंश कंपनी के अधिकारियों के साथ प्रधान न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में बैठक आयोजित किया गया। उक्त बैठक में संबंधित अधिकारियों से अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के लिए, उनके समय सीमा पर प्रस्तुतिकरण पंजीयन एवं नोटिस तामिली व न्यायालय में लंबित चेक बाउंस के प्रकरणों के निराकरण पर चर्चा की गई। अधिकारीगण से प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के पक्षकारों पर नोटिस की तामिली एवं उनके साथ सौहाद्रपूर्ण रूप से राजीनामा करने पर चर्चा की गई।

डौंडीलोहारा में डायरिया का प्रकोप

दल्लीराजहरा। मिली जानकारी के अनुसार.डौंडीलोहारा के वार्ड 2, 3 और 4 में डायरिया का प्रकोप देखा जा रहा है। जहां से लगभग 15 लोग डायरिया की चपेट में आ गए हैं। जिन्हें इलाज हेतु स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही नगर पंचायत अध्यक्ष निवेंद्र सिंह टेकाम भी अस्पताल पहुंचे और मरीज का हाल-चाल जाना साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए जल्द से जल्द मरीजों को स्वस्थ करने को लेकर निर्देशित किया। तो वहीं वार्डों में पानी की टेस्टिंग, डायरिया फैलने के कारणों की जांच, गोली वितरण करने को लेकर भी बात कही। लोगों को भी उन्होंने पानी की शुद्धता को लेकर ध्यान रखने की बात कही। इस दौरान उनके साथ पार्षद ममता शर्मा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

राज्यपाल के गोद ग्राम टेमरी में आजीविका गतिविधियों का अवलोकन

बेमेतरा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत राज्यपाल रमेन डेका के गोद ग्राम टेमरी में मिशन द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर राज्य मिशन प्रबंधन इकाई रायपुर से एलिस लकरा, मुख्य संचालन अधिकारी एवं अनिता मिंज, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के तहत तिरंगा महिला संकुल संगठन, टेमरी में दीदियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवार समावेशन, आजीविका गतिविधियों के अंतर्गत आय वृद्धि, आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण उपलब्ध कराने, आजीविका प्लानिंग तथा ग्राम स्तर पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लखपति दीदी बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में यह भी बताया गया कि मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की दीदियों को स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ग्राम स्तर पर उत्पादन, विपणन एवं कौशल विकास प्रशिक्षण जैसी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं, जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सके। इस अवसर पर जिले से कार्यक्रम प्रबंधक, बीपीएम, क्लस्टर स्तर के पीआरपी एवं कैडर उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने दीदियों से संवाद कर उनकी प्रगति एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली तथा निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया 7 बैठक में टेमरी की दीदीयों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहले वे केवल पारंपरिक खेती पर निर्भर थीं, जिससे परिवार की आमदनी सीमित थी। लेकिन बिहान मिशन से जुड़ने के बाद उन्हें मशरूम उत्पादन एवं सब्जी प्रसंस्करण का प्रशिक्षण मिला। वे हर महीने नियमित आय अर्जित कर रही हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बिहान से हमें नया जीवन मिला है। अब हम आत्मनिर्भर हैं और अपने बच्चों की शिक्षा व परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हैं।

पूर्व छात्रोंओं की बैठक में विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

बेमेतरा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय की भूतपूर्व छात्राओं कों आंमत्रित किया गया। छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए। अपने शिक्षकों के नाम, शिक्षा, शाला परिसर का रखरखाव, खेलकूद में भागीदारी,अन्य गतिविधियों, के साथ छत्तीसगढ़ निर्माण रजत महोत्सव अंतर्गत 25 वर्षों में हुए परिवर्तन, आदि बहुत सारे विषयों पर चर्चा करते हुए शाला के विकास हेतु सदैव अपना सहयोग देने की बात कही। संस्था की पूर्व छात्रा एवं पार्षद नीतू कोठारी ने कहा कि इस विद्यालय में ही मेरे राजनीतिक जीवन की नींव पड़ गई थी, उन्होंने पूर्व छात्राओं का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करने का आह्वान किया, जिसमें हम सब मिलकर अपने विचार साझा कर सकें और विद्यालय विकास में अपना योगदान दे सकें। पार्षद सिमरन ताम्रकार, पत्रकार योगिता साहू, आशा साहू, मांडवी साहू, नीता, सहित उपस्थित पूर्व छात्राओं ने अपने विचार और अनुभव साझा किए। संस्था के व्याख्याता सुनील कुमार झा एवं डी.आर.साहू ने इस एलुमिनी मीटिंग में उपस्थित छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि यह आयोजन शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया है जिसका उद्देश्य छत्तीसगढ के 25 वर्षों में हुए परिवर्तन,विकास और विद्यालय में उनके अनुभव पर चर्चा करना और विद्यालय की वर्तमान स्थित से परिचय प्राप्त करना है। विद्यालय के शिक्षकों ने 200 से अधिक पूर्व छात्राओं की पहचान की तथा 50 छात्राओं को इस बैठक हेतु आमंत्रित किया गया, जिसमें से 24 पूर्व छात्राएँ विद्यालय में उपस्थित हुई। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता योगेन्द्र वर्मा ने किया।

युवा मोर्चा बेमेतरा ने राहुल गांधी का जलाया पुतला

बेमेतरा। युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टीकरिहा के मार्गदर्शन में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष परमेश्वर वर्मा के नेतृत्व में बिहार प्रदेश के दरभंगा जिले में कांग्रेस की वोटर अधिकार यात्रा कार्यक्रम के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध अपशब्द कहे जाने के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बेमेतरा भारत माता चौक में प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला दहन कर कड़ा विरोध जताया। युवा मोर्चा ज़िला अध्यक्ष परमेश्वर वर्मा ने कहा कि बिहार के दरभंगा में इंडिया गठबंधन के मंच से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्व. माता के खिलाफ की गई टिप्पणी से देश की जनता आक्रोशित है। जवाब वोट के माध्यम से देकर इस तरह के लोगों और उनके दल को जनता मिटटी में मिला देगी। कार्यक्रम में उपस्थित ज़िला अध्यक्ष भाजपा अजय साहू प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र शर्मा पूर्व ज़िला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी पूर्व मंडल अध्यक्ष मोंटी साहू ललिता साहू महिला मोर्चा नीतू कोठारी मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन बुलाक़ साहू केशव पटेल सेवा राम साहू हरेंद्र वैष्णव नारद साहू आदर्श जोशी गोपी देवांगन केशव साहू वशु बैस तारकेश्वर सोनी नीतेश सोनी आयुष शर्मा नागेश साहू सोनू शर्मा सैकडो संख्या में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

'नो हेलमेट, नो पेट्रोल' अभियान पहले ही दिन ढीला पड़ा

रायपुर। रायपुर जिले में 1 सितंबर से नो हेलमेट, नो पेट्रोल अभियान शुरू करने की घोषणा की गई थी, लेकिन इसकी शुरुआत ही कमजोर रही। ज़मीनी हकीकत यह है कि अब भी कई पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को आसानी से पेट्रोल दिया जा रहा है। दरअसल, यह पहल पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा खुद ही सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए शुरू की गई थी। योजना के मुताबिक, 1 सितंबर से जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया था, बिना हेलमेट के किसी भी बाइक सवार को पेट्रोल नहीं दिया जाना था। इस निर्णय की जानकारी पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने जिले के कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और उप मुख्यमंत्री अरुण साव को ज्ञापन सौंपकर पहले ही दे दी थी। प्रशासन की ओर से भी इस अभियान को समर्थन मिला था, लेकिन पहले ही दिन इसके पालन में लापरवाही देखी गई।

आरंग क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई 13 वाहन जब्त

रायपुर। रेत के अवैध परिवहन की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद रायपुर खनिज विभाग ने सोमवार रात आरंग क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान अवैध रूप से रेत ढो रहे 13 वाहनों को जब्त कर उनके खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। यह अभियान कलेक्टर गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर, खनिज उप संचालक प्राची अवस्थी के मार्गदर्शन में चलाया गया। सुपरवाइजर सुनीलदत्त शर्मा के नेतृत्व में खनिज विभाग की टीम ने महानदी किनारे की रेत खदानों और आरंग के मुख्य मार्गों पर रात भर छापेमारी की। जांच के दौरान जब्त किए गए सभी वाहनों में रेत परिवहन से संबंधित वैध कागजात नहीं मिले, जिसके चलते खनिज विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन कब्जे में ले लिए। इस अभियान को सफल बनाने में जितेंद्र केशरवानी, जितेंद्र वर्मा और लुकेश वर्मा की अहम भूमिका रही। गौरतलब है कि क्षेत्र में रेत के अवैध खनन और परिवहन को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं, जिसे देखते हुए प्रशासन ने सख्ती से कार्रवाई की है।

पुजारी की हत्या का 12 घंटे में खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। बिलासपुर जिले के तखतपुर क्षेत्र के परसाकापा स्थित पाठ बाबा मंदिर के पुजारी जागेश्वर पाठक की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए सिर्फ12 घंटे में हत्या में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या की वजह पुजारी और आरोपी की पत्नी के बीच कथित अवैध संबंध हैं। जानकारी के मुताबिक, पुजारी का आरोपी सुरेश धुरी की पत्नी से संबंध था, जो मंदिर के पास खेत में खेती के दौरान बढ़ा। इस कारण सुरेश और उसकी पत्नी के बीच छह महीने पहले सामाजिक तलाक हो गया था। सुरेश को इस रिश्ते को लेकर पुजारी से गहरा बैर हो गया था। इसी रंजिश के चलते शनिवार रात आरोपी सुरेश ने अपने साथियों के साथ मिलकर पुजारी की हत्या की साजिश रची। मोटरसाइकिल की पूजा कराने का बहाना बनाकर पुजारी को बाहर बुलाया गया, फिर ईंट और सस्पेंशन पाइप से उस पर हमला कर दिया गया। हमला इतना गंभीर था कि पुजारी की मौके पर ही मौत हो गई, जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। रविवार सुबह, मंदिर परिसर में पुजारी की लाश खून से सनी हुई पाई गई। सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। एसएसपी रजनेश सिंह स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और जांच की निगरानी की। एएसपी अर्चना झा, एसडीओपी कोटा, तखतपुर थाना पुलिस की तत्परता से पुलिस ने महज कुछ ही घंटों में आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ लिया। इस केस को सुलझाने में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिनकी मदद से अंधे कत्ल की गुत्थी जल्द सुलझा ली गई।

दिगंबर जैन जिनालयों में उत्तम शौच धर्म की आराधना की गई मंदिरों में हुआ अभिषेक शांति धारा, और पूजन

रायपुर। दिगंबर जैन समाज ने पर्युषण पर्व के दसलक्षण पर्व के चौथे दिन रविवार को उत्तम शौच धर्म मनाया। राजधानी रायपुर के श्री श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर की सभी वेदियों में विशेष आयोजन हुए। सुबह से ही मंदिरों में श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा और शौच धर्म की पूजा की गई। पुष्पदंत नाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर भगवान को लड्डू अर्पित किए। पूर्व उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू ने शौच धर्म का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि शौच धर्म का अर्थ है लोभ न करना। मन में शुद्धि और पवित्रता को धारण कर लोभ का त्याग करना ही शौच धर्म है। उन्होंने बताया कि जिस तरह शरीर को बाहर से साफकिया जाता है, उसी तरह मन को भी साफकरना शौच धर्म का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मनुष्य भौतिक सुख पाने के लिए लोभ के वश में होकर गलत कार्य कर लेता है।

आदि कर्मयोगी अभियान की शुरूआत

आदि कर्मयोगी अभियान:विकसित भारत में सशक्त होगा जनजातीय समाज के लोग

रायपुर/ संवाददाता

देश की आजादी के बाद यह पहला अवसर है जब किसी सरकार ने जनजातीय समाज के जीवन स्तर को उपर उठाने के लिए देशव्यापी अभियान छेड़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समाज के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार जैसे मूलभुत सुविधाओं से जोड़ने और इनका लाभ दिलाने के लिए आदि कर्मयोगी अभियान की शुरूआत की है। यह अभियान देशभर के 30 राज्यों में संचालित किया जा रहा है। यह अभियान देश भर के 550 से ज्यादा जिलों और 1 लाख से अधिक आदिवासी बहुल गांवों में बदलाव के लिए काम करेगी। बता दें कि जब भारत 2047 में अपनी आज़ादी के 100 वर्ष पूरा करेगा। उस समय तक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए यह जरूरी है कि समाज का कोई भी वर्ग पीछे न छूटे। आदिवासी समाज को आगे बढ़ाए बिना यह सपना अधूरा रहेगा। आदि कर्मयोगी अभियान इस अंतर को भरने के लिए एक ठोस कदम है। यह अभियान शासन और समाज के बीच की दूरी को कम करेगा, पारदर्शिता लाएगा और योजनाओं को ज़मीनी स्तर तक पहुँचाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अभियान को सेवा पर्व का रूप दिया है। उनका कहना है कि यह केवल योजनाओं की जानकारी देने का प्रयास नहीं, बल्कि समाज और शासन को जोड़ने वाला पुल है। छत्तीसगढ़ में इस अभियान के लिए वृहद स्तर पर आदिकर्म योगियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये कर्मयोगी जनजातीय परिवारों से घर-घर संपर्क कर उनकी आवश्यकताओं और जरूरतों को समझेंगे तथा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेंगे, राज्य और जिला स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग की जाएगी। राज्य सरकार के सभी विभागों के अधिकारी इस कार्य में संवेदनशीलता के साथ सीधे जुड़ेंगे। आदिकर्मयोगी अभियान का महत्व राष्ट्रीय स्तर पर इसलिए भी है क्योंकि भारत की जनजातीय आबादी लगभग 10 करोड़ से अधिक है। इतने बड़े समुदाय को मुख्यधारा में लाए बिना 2047 तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। यह अभियान प्रधानमंत्री की उस सोच से जुड़ा है, जिसमें हर क्षेत्र, हर समाज और हर नागरिक को विकसित भारत की यात्रा में समान अवसर देना है। भारत का विकास केवल शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रह सकता। एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र वही कहलाएगा, जहाँ समाज के हर तबके को समान अवसर मिले और उसकी संस्कृति को उचित सम्मान दिया जाए। इसी सोच को मूर्त रूप 'आदि कर्मयोगी अभियान' के जरिए दिया जा रहा है। यह वस्तुत: जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। छत्तीसगढ़ देश का वह राज्य है जहाँ सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या निवास करती है। इसीलिए इस अभियान का यहां विशेष महत्व है। आदिवासी समाज की असली चुनौती यही रही है कि अनेक योजनाएँ होते हुए भी उनकी जानकारी और लाभ ज़रूरतमंदों तक समय पर नहीं पहुँच पाते। ऐसे में लाखों कर्मयोगी स्वयंसेवक योजना और समाज के बीच सेतु बन सकेंगे। यह अभियान राज्य के 28 जिलों और 138 विकासखंडों के 6 हजार 650 गांवों में 1 लाख 33 हजार से अधिक वालंटियर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा है। छत्तीसगढ़ में यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक पूरे राज्य में ग्राम पंचायत स्तर पर सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा।

राह चलती लड़कियों से करता था छेड़छाड़, जशपुर पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

रायपुर। संवाददाता

जिले के पत्थलगांव थाना क्षेत्र में राह चलती लड़कियों से अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ करने वाले एक सिरफिरे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान हेमंत उर्फहर्षित यादव (22 वर्ष), निवासी महुआ टोली, पत्थलगांव के रूप में हुई है। वहीं उसका एक साथी फरार है, जिसे पुलिस ने चिन्हित कर लिया है और तलाश जारी है। घटना 31 अगस्त की शाम करीब 6 बजे की है, जब एक युवती अपनी बहन और सहेलियों के साथ पत्थलगांव स्थित कॉफी हाउस जा रही थी। इसी दौरान अंबिकापुर रोड पर शर्मा मेडिकल स्टोर के पास आरोपी हेमंत यादव अपने एक साथी के साथ बाइक पर पीछा करते हुए आया और लड़कियों पर अश्लील टिप्पणियां करने लगा। आरोपी ने युवती की बहन के कंधे पर हाथ मारा और कुछ दूरी पर बाइक रोककर फिर से लड़कियों का रास्ता रोक लिया। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता का हाथ पकड़ने की कोशिश की और मोबाइल नंबर मांगने लगा। युवती के चिल्लाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। बताया गया कि हेमंत यादव पहले भी कई बार इन लड़कियों का पीछा कर अश्लील इशारे करता रहा है। पीड़िता की शिकायत पर थाना पत्थलगांव में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74, 78 और 79 के तहत मामला दर्ज किया गया। महिला सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने पत्थलगांव पुलिस को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर हेमंत उर्फहर्षित यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उसके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। दूसरा आरोपी फिलहाल फरार है, लेकिन उसकी पहचान कर ली गई है और जल्द गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है। एसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जशपुर पुलिस महिलाओं से संबंधित अपराधों को लेकर पूरी तरह सतर्क और गंभीर है।

ड्रग्स तस्करों का अंतर्राज्यीय नेटवर्क ध्वस्त,अब तक दो आरोपी गिरफ्तार..

रायपुर। संवाददाता

रायपुर पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की अगुवाई में टिकरापारा, कबीर नगर और गंज थाने की संयुक्त कार्रवाई में पंजाब के बड़े सप्लायरों और स्थानीय नेटवर्क के दर्जनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने करोड़ों रुपए कीमत की हेरोइन (चिट्टा), एमडीएमए ड्रग्स, अफीम, हथियार, कार, मोटरसाइकिल और बड़ी संख्या में मोबाइल फ ोन जब्त किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह नेटवर्क पाकिस्तान से होकर पंजाब के रास्ते रायपुर तक सक्रिय था। बता दें कि टिकरापारा थाना में दर्ज अपराध क्रमांक 600/25 धारा 21सी, 29 नारकोटिक एक्ट के तहत पुलिस ने 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से करीब 1 करोड़ रुपए कीमत की 412.87 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), कई मोबाइल फोन, क्रेटा कार (सीजी/04/क्यूएच/7491), तौल मशीन, सिल्वर रोल पेपर, जली हुई नोट, एटीएम कार्ड और चेकबुक जब्त किए गए। जांच के दौरान सामने आया कि इस नेटवर्क का संचालन पंजाब निवासी लवजीत सिंह कर रहा था, जिसे हेरोइन सप्लाई करने वाले मुख्य आरोपी चरणजीत सिंह उर्फचांद और गुरजीत सिंह उर्फगुरुजी (दोनों निवासी अमृतसर, पंजाब) थे। पुलिस ने दोनों को पंजाब से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर लाया है। इसी तरह थाना कबीर नगर में दर्ज अपराध क्रमांक 190/25 धारा 21सी, 21बी, 29 नारकोटिक एक्ट और 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। एंटी क्राइम और थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 91 ग्राम अफीम, 87 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), 1 कंट्री मेड पिस्टल, 82 जिंदा कारतूस और घटना में प्रयुक्त 4 मोबाइल फोन जब्त किए गए।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी शाखा द्वारा जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

एनएचएम कर्मचारियों का आंदोलन

मंत्रियों का मुखौटा लगाकर भीख मांगना सरकार के लिए शर्मनाक

- आम जनता से लेकर नियमित, संविदा कर्मी भाजपा सरकार की नीति से असंतुष्ट
- भाजपा की सरकार आम जनता की नहीं पूंजी पतियों के हित में काम कर रही

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि भाजपा ने 2023 के विधानसभा चुनाव के समय अपने घोषणा पत्र में प्रदेश के संविदा कर्मचारियों से वादा किया था कि प्रदेश में सरकार बनते ही 100 दिन के भीतर एनएचएम कर्मचारियों सहित समस्त संविदा कर्मियों का नियमितीकरण करेगी। आज भाजपा के उन्हीं वादों को याद दिलाते हुए पूरे प्रदेश के हजारों एनएचएम कर्मचारियों सहित महासमुंद जिले के 500 से अधिक एनएचएम स्वास्थ्य कर्मी पिछले 10 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। भाजपा अपने वादे को इस कदर भूल चुकी है कि एनएचएम कर्मचारियों द्वारा स्वास्थ्य मंत्री को खून से पत्र लिखना तथा मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री व स्वास्थ्य मंत्री का मुखौटा लगाकर सड़कों पर भीख मांगना पड़ रहा है। यह भाजपा की साय सरकार के लिए बेहद शर्मनाक व विफलता का परिचायक है। पिछले चुनावी घोषणापत्र में मोदी की गारंटी के अंतर्गत भाजपा ने नियमितीकरण का वादा किया गया था।

---

5 सितम्बर तक व्यापक वर्षा होने का अनुमान उत्तरी छत्तीसगढ़ में सक्रिय रहेगा मानसून

रायपुर। प्रदेश में इस समय निरंतर वर्षा होने के कारण धान की फसल की स्थिति अच्छी हो गई है, उधर बांधों में भी 80 प्रतिशत जल भराव हो गया है। मौसम विभाग ने दो सितम्बरसे लेकर 5 सितम्बर तक अच्छी वर्षा होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक के अनुसार एक कम दबाव का क्षेत्र तथा द्रोणिका के कारण मध्यप्रदेश में भी यलोअलर्ट जारी कर दिया गया है। इधर वर्षा का केन्द्र बिन्दू पिछले कई दिनों से दक्षिण बस्तर में बना है। जिसके कारण दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर और सुकमा में शंखीनी , डंकीनी और इन्द्रावती नदी तूफान पर चल रहा है। कई स्थानों पर भारी तबाही मची हुई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री आज विशेष विमान से रवाना हो गए हैं, वहां पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया तथा अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली है। राजस्व विभाग के अधिकारियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मौसम वैज्ञानिक से मिली जानकारी के अनुसार मानसून द्रोणिका अपने सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर बना हुआ है। इसके प्रभाव से अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

महतारी वंदन के लाभ से वंचित रह महतारियां

- प्रचार प्रसार की कमी और जानकारी के अभाव में नहीं भर पाईं फार्म
- बस्तर में योजना के लिए विशेष अभियान जरूरी

रायपुर। प्रचार प्रसार न होने और जानकारी के अभाव के चलते बस्तर संभाग की हजारों महतारियां महतारी वंदन के लाभ से वंचित रह गईं हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता और सरकारी तंत्र की ओर से सूचना की कमी के कारण कई महिलाएं इस योजना का लाभ नहीं उठा पा रही हैं। बस्तर संभाग के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को इस योजना के बारे में जानकारी नहीं होने के कारण वे इसका लाभ नहीं उठा पा रही हैं। सरकार को बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार अभियान चलाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इस योजना का लाभ उठा सकें। खासकर बस्तर संभाग में इस योजना के व्यापक प्रचार प्रसार की जरूरत है। शासन प्रशासन द्वारा बस्तर की महिलाओं को महतारी वंदन योजना के आवेदन के लिए पुन: अवसर की जानकारी नहीं दी गई।

एक ही छत के नीचे शासकीय कर्मियों को इलाज मिलना सुशासन का नया मॉडल

एक हजार से अधिक शासकीय सेवकों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

- प्रोजेक्ट छांव के तहत साढ़े छह हजार से अधिक शासकीय सेवकों को मिला लाभ
- धरातल पर नवाचार के कार्य समाज के लिए मील का पत्थर होगा साबित: प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर में प्रोजेक्ट छांव शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सेहत के लिए वरदान साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर शुरू प्रोजेक्ट छांव से शासकीय सेवकों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर नि:शुल्क दवाईयां उपलब्ध कराई जा रही है। इंडोर स्टेडियम में रविवार को आयोजित प्रोजेक्ट छांव में शामिल मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत ने कहा कि रायपुर जिले के नवाचार प्रोजेक्ट छांव का शासकीय कर्मियों को लाभ मिल रहा है। एक ही छत के नीचे शासकीय कर्मियों को इलाज मिलना सुशासन का नया मॉडल तैयार हुआ है। श्री भगत ने कहा कि मेमोग्राफी का लाभ भी महिला कर्मचारियों को मिल रहा है। सभी प्रकार के टेस्ट की सुविधा यहां मिल रही है, यह सबसे अच्छी बात है। श्री भगत ने कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट को भविष्य में अन्य जिलों में शुरू किया जा सकेगा, ताकि कर्मियों को अधिक से अधिक लाभ दिलाया जा सके और उनके परिवारजनों को भी स्वास्थ्य परीक्षण भी समय-समय पर मिलता रहें। साथ ही श्री भगत ने जिला प्रशासन रायपुर द्वारा चलाई जा रहे नवाचार प्रोजेक्टों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रायपुर जिले के नवाचार मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेशभर में इन प्रोजेक्टों को शुरू करने पर मंथन किया जाएगा। इस दौरान प्रोजेक्ट नैनो के अंतर्गत कलेक्टर डॉ सिंह ने सचिव श्री भगत को जिले में नैनो उर्वरकों के उपयोग एवं ड्रोन से छिड़काव की जानकारी दी, जिसकी उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि यह प्रयास कृषकों को आधुनिक खेती के साथ जोड़ेगा इस अवसर पर समाचार पत्र के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि सुशासन का दावा करना बड़े जोमिखपूर्ण है। ऐसे में सुशासन की दिशा में प्रोजेक्ट छांव जैसे नवाचार के कार्य जन साधारण के लिए परस्पर मिलकर काम करता है। इससे ही सुशासन का संकल्प पूरा होता है। श्री द्विवेदी ने कहा कि रायपुर में नवाचार के कार्य जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे हैं, वे केवल सुर्खियों के लिए नहीं है, बल्कि यह धरातल पर कार्य होने से समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगा। सुशासन का यह अध्याय बीजापुर से लेकर बलरामपुर तक पहुंचेगी तो सबसे बेहतर कार्य होगा। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन कर्मचारियों के लिए प्रतिबद्ध है और हमेशा से हमारी कोशिश है कि कर्मचारी स्वस्थ रहे। डॉ. सिंह ने कहा कि अब तक साढ़े छह हजार से अधिक कर्मियों को योजना का लाभ मिल चुका है।

संपादकीय

भारत की रक्षा प्रणाली में मजबूती का जुड़ा नया अध्याय

भारत की नव-विकसित एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली बहुस्तरीय प्रणालियों का एक ऐसा स्वदेशी तंत्र है, जो दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट करने में सक्षम है। आज के दौर में तकनीकी विकास के साथ युद्ध के तरीके भी बदल गए हैं। अब पारंपरिक युद्ध के बजाय तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। दुश्मन देश की जमीनी सीमा पार किए बिना ही हवाई हमलों को बखूबी अंजाम दिया जाता है। ड्रोन, स्वायत्त प्रणाली और हाइपरसोनिक हथियारों के उदय ने युद्ध के पारंपरिक सिद्धांतों को बदल दिया है। ऐसे में कोई भी देश तभी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जब उसके पास मजबूत वायु रक्षा प्रणाली हो। इसी के मद्देनजर भारत ने हाल में एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण कर इस दिशा में एक और सफलता हासिल कर ली है। 'आपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान को शिकस्त देने के करीब तीन माह बाद भारत की रक्षा प्रणाली में मजबूती का यह एक नया अध्याय जुड़ गया है। ड्रोन और मिसाइलों के हमलों को नाकाम करने की अपनी क्षमता को और ज्यादा सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने की ओर एक बड़ी और अहम कामयाबी है। पारंपरिक युद्ध की तुलना में आज के युद्ध में तकनीक का महत्त्व सर्वोपरि है। अब लड़ाई जमीन पर नहीं, बल्कि आसमान से लड़ी जा रही है। आधुनिक हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलें हजारों किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य को भेद सकती हैं। ड्रोन का इस्तेमाल अब रक्षा प्रणालियों और सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, जैसा रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य-पूर्व के संघर्षों में देखा गया है। जाहिर है, इस तरह के खतरों से निपटने के लिए भारत की रक्षा तैयारियों को तेज करना आवश्यक है। भारत की नव-विकसित एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली बहुस्तरीय प्रणालियों का एक ऐसा स्वदेशी तंत्र है, जो दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट करने में सक्षम है। इसमें हमले का संकेत मिलने पर तुरंत जवाब देने और सतह से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल प्रणाली तथा उच्च शक्ति वाली लेजर आधारित प्रणाली शामिल है, जो दुश्मन के हौसलों को पस्त कर देगी। दरअसल, इस रक्षा प्रणाली को मिशन 'सुदर्शन चक्र' के तहत विकसित किया गया है, जिसका मकसद वर्ष 2035 तक भारत को एकीकृत वायु रक्षा प्रणाली में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के बीच हुई टेलीफोन वार्ता ने भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों में नई ऊर्जा भर दी है। इस वार्ता को प्रधानमंत्री मोदी ने फलदायी बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई और रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया गया। यह घटनाक्रम केवल एक औपचारिक बातचीत भर नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी सामरिक और आर्थिक निहितार्थ हैं, जो भारत, मध्य एशिया और वैश्विक भू-राजनीति को प्रभावित कर सकते हैं।

उज्बेकिस्तान को करीब लाकर मोदी ने सारा खेल पलट दिया

(नीरज कुमार दुबे)

उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में स्थित है और चारों ओर से भूमि से घिरा है। इसकी सीमाएँ अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, कजाखिस्तान और तुर्कमेनिस्तान से मिलती हैं। उज्बेकिस्तान, भारत को मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण 'कनेक्टिविटी नोड' के रूप में देखा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उज्बेकिस्तान के साथ संबंध प्रगाढ़ करना केवल औपचारिक कूटनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि एक गहरी रणनीतिक चाल है। मध्य एशिया के इस प्रमुख देश के साथ निकटता बढ़ाकर भारत ने एक साथ कई मोर्चों पर लाभ उठाने की स्थिति बना ली है। सबसे पहले, उज्बेकिस्तान भारत के मध्य एशिया संपर्क का केंद्रीय स्तंभ बन सकता है। अफगानिस्तान की अस्थिरता और पाकिस्तान के अवरोध के कारण भारत के लिए मध्य एशिया तक सीधा व्यापारिक और ऊर्जा मार्ग पाना मुश्किल रहा है। उज्बेकिस्तान के साथ मजबूत रिश्ते भारत को ईरान के चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के जरिये नए रास्ते खोलने का मौका देते हैं।

दूसरा, यह कदम चीन की "Belt and Road Initiative" के दबदबे को संतुलित करने की कोशिश भी है। उज्बेकिस्तान, जो अब तक चीन और रूस के प्रभाव में रहा है, भारत के साथ साझेदारी से एक वैकल्पिक कूटनीतिक और आर्थिक सहारा पाएगा। तीसरा, आतंकवाद-रोधी सहयोग में भी यह रिश्ते अहम हैं। अफगानिस्तान के नजदीकी होने के कारण उज्बेकिस्तान क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरण में महत्वपूर्ण है। भारत के साथ मिलकर यह देश चरमपंथी नेटवर्क को कमजोर करने और स्थिरता लाने में योगदान दे सकता है। चौथा, यह पहल भारत को (शंघाई सहयोग संगठन) जैसे बहुपक्षीय मंचों पर और प्रभावशाली बनाती है। उज्बेकिस्तान की मेजबानी और समर्थन के साथ भारत मध्य एशिया में राजनीतिक-सुरक्षा विमर्श को अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप ढाल सकता है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के बीच हुई टेलीफोन वार्ता ने भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों में नई ऊर्जा भर दी है। इस वार्ता को प्रधानमंत्री मोदी ने फलदायी बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई और रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया गया। यह घटनाक्रम केवल एक औपचारिक बातचीत भर नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी सामरिक और आर्थिक निहितार्थ हैं, जो भारत, मध्य एशिया और वैश्विक भू-राजनीति को प्रभावित कर सकते हैं।

हम आपको बता दें कि उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में स्थित है और चारों ओर से भूमि से घिरा है। इसकी सीमाएँ अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, कजाखिस्तान और तुर्कमेनिस्तान से मिलती हैं। उज्बेकिस्तान, भारत को मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण 'कनेक्टिविटी नोड' के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा, उज्बेकिस्तान की अफगानिस्तान से सीमा होने के कारण भारत के लिए आतंकवाद-निरोधी सहयोग, क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा नीति में यह अहम भूमिका निभा सकता है। साथ ही उज्बेकिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य है। यहां भारत की मजबूत उपस्थिति चीन और रूस के साथ संतुलन साधने में मदद कर सकती है।

इसके अलावा, उज्बेकिस्तान प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध है– विशेषकर सोना, यूरेनियम, गैस और कपास। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए विविधीकरण चाहता है। उज्बेकिस्तान के साथ गैस और यूरेनियम आपूर्ति के समझौते भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सहायक हो सकते हैं। इसके अलावा, औषधि, आईटी, कपड़ा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में उज्बेकिस्तान एक उभरता हुआ बाजार है, जहाँ भारतीय कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़ सकती है। साथ ही चाबहार पोर्ट और अंतर्राष्ट्रीय नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के जरिए उज्बेकिस्तान को जोड़ना भारत के व्यापारिक हितों को तेज़ी से आगे बढ़ा सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग कई स्तरों पर हो रहा है– संयुक्त सैन्य अभ्यास, आतंकवाद-रोधी प्रशिक्षण, और खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान। इसके अलावा, अफगानिस्तान में अस्थिरता और उग्रवादी नेटवर्क के चलते दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय शांति के लिए अहम है। साथ ही उज्बेकिस्तान भारतीय रक्षा तकनीक और प्रशिक्षण का लाभ उठा सकता है, जबकि भारत को मध्य एशिया में रणनीतिक पहुँच मिलती है।

देखा जाये तो भारत-उज्बेकिस्तान के रिश्ते गहरे होने से अंतरराष्ट्रीय समीकरणों में कई बदलाव संभव हैं। जैसे- मध्य एशिया में भारत की पकड़ मजबूत होगी। हम आपको बता दें कि यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से 'ग्रेट गेम' का केंद्र रहा है, जहां रूस, चीन, अमेरिका और अब तुर्की प्रभाव जमाने की कोशिश करते रहे हैं। इसके अलावा, उज्बेकिस्तान पर चीन का निवेश और आर्थिक प्रभाव बढ़ रहा है। भारत के साथ मजबूत साझेदारी इस प्रभाव को संतुलित कर सकती है। साथ ही उज्बेकिस्तान जैसे मुस्लिम-बहुल, लेकिन धर्मनिरपेक्ष झुकाव वाले देश के साथ करीबी रिश्ते भारत की वैश्विक छवि को मजबूती देते हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत और उज्बेकिस्तान का सांस्कृतिक रिश्ता बहुत पुराना है। समरकंद और बुखारा जैसे ऐतिहासिक शहर भारत के इतिहास में गहरे जुड़े हैं, चाहे वह बाबर का आगमन हो या सूफी परंपरा। साथ ही उज्बेक छात्रों के लिए भारतीय विश्वविद्यालय, विशेषकर मेडिकल और तकनीकी शिक्षा, एक आकर्षण हैं। इसके अलावा, बॉलीवुड फिल्मों की लोकप्रियता मध्य एशिया में भारत की सॉफ्ट पावर को और बढ़ाती है।

बहरहाल, भारत और उज्बेकिस्तान के संबंध केवल दो देशों के बीच व्यापार या रक्षा सहयोग तक सीमित नहीं हैं। यह साझेदारी मध्य एशिया की स्थिरता, भारत की ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी रणनीति और वैश्विक शक्ति संतुलन पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। सामरिक दृष्टि से, उज्बेकिस्तान भारत के लिए वह 'भू-राजनीतिक चौराहा' है, जहां से दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और यूरोप को जोड़ने वाले कई रास्ते निकलते हैं। यदि भारत इन रिश्तों को गहराई से विकसित करता है, तो यह न केवल द्विपक्षीय लाभ देगा, बल्कि एक नए क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन की नींव भी रख सकता है, जिसमें भारत एक निर्णायक भूमिका निभाएगा।

ट्रंप की टैरिफ-नीति का उचित जवाब

दीक्षा वत्स

वैश्विक मंच पर एक नया तूफान मच गया है, जिसके केंद्र में हैं- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। उनकी आक्रामक व्यापार नीतियों ने विश्व-व्यवस्था को झकझोर दिया है। 26 अगस्त को सोशल मीडिया के जरिये दी गई एक सख्त चेतावनी में उन्होंने उन देशों को कड़े परिणाम भुगतने की धमकी दी, जो अमेरिकी टेक कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स (डीएसटी) या अन्य प्रतिबंधात्मक नियम लागू करते हैं। भारत और ब्राजील जैसी उभरती आर्थिक ताकतों को वह विशेष तौर पर निशाना बना रहे हैं। भारत पर 27 अगस्त से 50 प्रतिशत का सीमा-शुल्क इसकी तस्दीक करता है।

ट्रंप अपनी 'अमेरिका प्रथम' नीति के अनुरूप व्यवहार कर रहे हैं, जिसके जवाब में भारतीय प्रधानमंत्री ने उचित ही 'आत्मनिर्भर भारत' को आगे बढ़ाने की बात कही है। यह एक प्रेरणादायक नीति है। इससे न केवल भारत आर्थिक रूप से मजबूत बनेगा, बल्कि विश्व व्यापार में एक सशक्त और सम्मानित शक्ति के रूप में स्थापित होगा। ट्रंप के भारी-भरकम टैरिफ के कारण भारत ने वैकल्पिक बाजारों की खोज तेज कर दी है और ब्रिक्स जैसे मंचों के माध्यम से अपनी स्थिति को और सुदृढ़ कर लिया है। यह बताता है कि भारत न केवल दबाव का जवाब देने में सक्षम है, बल्कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक निर्णायक ताकत के रूप में भी उभरने की क्षमता रखता है। इतना ही नहीं, चुनौतियों को अवसरों में बदलने की कला में भी माहिर है।

भारत ने डिजिटल सर्विस टैक्स को हटाकर इस बात का प्रमाण दिया है कि वह वैश्विक व्यापार के नियमों का सम्मान करता है और अनावश्यक टकराव से बचने के लिए रचनात्मक कदम उठाने को भी तैयार है। फिर भी, ट्रंप टैरिफ बढ़ाने की नीति अपना रहे हैं। यह एक अन्यायपूर्ण फैसला है। यह स्थिति भारत-अमेरिका संबंधों में टकराव बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक आपूर्ति शृंखला और तकनीकी नवाचार पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। ऐसी स्थिति में आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी का दांव काफी सटीक है। यह बताता है कि भारत हर चुनौतियों से टकराने का माद्दा रखता है और अपने हितों की रक्षा करना जानता है। ट्रंप की एकतरफा नीतियों के बावजूद भारत का जवाब संतुलित, रणनीतिक व प्रगतिशील है। यह समय की मांग है कि विश्व के अन्य देश भी अमेरिकी राष्ट्रपति की मनमानी के खिलाफ डटकर खड़े हो जाएं और भारत जैसे देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक समावेशी, पारदर्शी और समृद्ध वैश्विक भविष्य की नींव रखें। बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था ही दुनिया का भविष्य है। ट्रंप अपनी नीतियों से इसे रोकना चाहते हैं।

यह सही है कि कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक व्यवस्था में भारत की अहमियत बढ़ी है, लेकिन जिस तरह से अभी 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' पर जोर दिया जा रहा है, वह तभी साकार हो सकता है, जब इसकी चुनौतियों का हम जल्द समाधान करने में सफल होंगे। बेशक, केंद्र सरकार इन मुश्किलों को समझती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के अपने भाषण से इसका जिक्र भी किया था, लेकिन जिस तत्परता की जरूरत है, उसका अभाव दिख रहा है, जबकि अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि ट्रंप की टैरिफ-जंग से हम बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं।

आंकड़े बताते हैं कि अभी देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान केवल 12 प्रतिशत है, और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में उसकी हिस्सेदारी सिर्फ 2.8 प्रतिशत। इसकी तुलना में चीन कहीं ज्यादा 28.8 प्रतिशत सामान दुनिया के लिए बना रहा है। हालांकि, सरकार बार-बार कहती रही है, और खासतौर से वित्त मंत्री ने इसका जिक्र किया था कि हम अगले दो दशकों में विनिर्माण क्षेत्र को जीडीपी के 23 प्रतिशत के बराबर करने को संकल्पित हैं, लेकिन इस लक्ष्य को पाना इतना आसान नहीं है। जब तक उद्यमियों को जरूरी राहत नहीं दी जाएगी और बाजार में मांग की स्थिति पैदा नहीं की जाएगी, तब तक विनिर्माण क्षेत्र को ऊपर उठाना काफी मुश्किल है। भारत निस्संदेह वैश्विक जरूरतों को पूरा करने की क्षमता रखता है और कई इलेक्ट्रॉनिक व ऑटो उत्पाद देश में बनने भी लगे हैं, पर निर्माण के साथ-साथ जरूरी है कि यहां के विशाल बाजार का भी पूरा लाभ उठाया जाए और लोगों में इतनी क्षमता पैदा की जाए कि वे उपभोग में कटौती न करें।

आत्मनिर्भर भारत की एक बड़ी चुनौती उत्पादों की घटिया गुणवत्ता भी है, जिस पर चिंता खुद प्रधानमंत्री ने जाहिर की है। उन्होंने 15 अगस्त के भाषण में ठीक याद दिलाया है कि दुनिया गुणवत्ता की कद्र करती है और वैश्विक बाजार में भारत को यदि अपनी छवि चमकानी है, तो उसे उच्च गुणवत्ता के उत्पाद बनाने ही होंगे। इसमें केंद्र व राज्य सरकारों को भी कुछ हद तक समर्थन देना होगा। वैसे, अच्छा तो यही होगा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। इससे न सिर्फ सरकारों पर दबाव कम पड़ेगा, बल्कि उद्यमियों को भी पूंजी जुटाने में सहूलियत होगी। इसी तरह, मजबूत बुनियादी ढांचे के अभाव से भी हमें लड़ना होगा। अगर हम इन चुनौतियों का समाधान निकाल सकें, तो यकीनन, दुनिया हमारी ताकत का लोहा मानेगी। विश्व मंच पर भारत का रुतबा और ज्यादा बढ़ जाएगा।

ब्राह्मी लिपि कैसे अस्तित्व में आई? भाषाओं का ये इतिहास है काफी दिलचस्प

(सुधांशु माहेश्वरी)

जब भी हम आवाजों के जरिए कम्युनिकेट करते हैं, इसे स्पीच कहा जाता है। जब भी हम राइटिंग के जरिए कम्युनिकेट करते हैं, इसे स्क्रिप्ट कहा जाता है। इस दुनिया में एक नहीं कई तरह की स्क्रिप्ट हैं। अब क्या वो सारी स्क्रिप्ट इमोजी टाइप में थीं? क्या वो लेटर फॉर्म में थीं? क्या उन्हें हम कॉन्सोनेंट या फिर वोवल माने? यहां लिखने का डायरेक्शन क्या रहता होगा?

बात अगर Mesopotamia के सुमेरिएन्स की करें तो उन्होंने 3300 बीसी में राइटिंग का अविष्कार किया था, तब उन्होंने Cuneiform स्क्रिप्ट का इस्तेमाल किया। इसे मिट्टी की पट्टियों पर कील के आकार के निशान बनाकर लिखा जाता था। Cuneiform स्क्रिप्ट Logographic अंदाज में लिखी जाती थी, इसे आप पिक्चर बेस्ड राइटिंग कह सकते हैं जहां पर तस्वीरों के जरिए बातचीत होती थी। उसके बाद इजिप्ट की Hieroglyphs राइटिंग आई, ये भी Logographic अंदाज में लिखी जाती थी। अब बात चाहे सुमेरिएन्स की करें या फिर Cuneiform स्क्रिप्ट की, ये सब ऊपर से नीचे लिखी जाती थीं। उसके बाद चाइनीस राइटिंग आई, वो भी ऊपर से नीचे लिखते हैं। बाद में जो मिस्र की राइटिंग थी, वो दोनों ही दिशाओं में लिखी जा सकती थी।

क्यूनिफॉर्म लिपि लगभग 2800 बीसी में Syllabary में बदल दी गई थी, इसे शब्दांशीय कहा जाता है। Logographic स्क्रिप्ट काफी सीमित थी, इसी वजह से इसका विस्तार किया गया। आगे चलकर यही क्यूनिफॉर्म लिपि कई दूसरी भाषाओं में इस्तेमाल हुई और फिर Assyria, Babylon और Persia के राजाओं ने भी इसका इस्तेमाल किया। अब इतिहास बताता है कि हड़प्पा ने भी सुमेरिएन्स के साथ व्यापार तो किया लेकिन उनकी क्यूनिफॉर्म लिपि को अपनी संस्कृति के साथ नहीं ढाला। कहा जाता है कि हड़प्पा स्क्रिप्ट भी इमोजी का ही एक सेट होती है, इसे Logographic भी मान सकते हैं, यह अलग बात है कि हर इतिहासकार ऐसा नहीं मानता है। असल में मुहरों पर तो हड़प्पा स्क्रिप्ट को दाएं से बाएं लिखा जाता था। लेकिन जो मुहरों के निशान होते थे, उन्हें बाएं से दाएं पढ़ा गया।

कभी कबार तो स्क्रिप्ट को पहले राइट टू लेफ्ट उकेरा जाता था, फिर इसे लेफ्ट की राइट उकेरा जाने लगा। इस तरह की राइटिंग को Boustrophedon नाम दिया गया।

अब सभी के मन में सवाल आता है कि अल्फाबेट्स और वोवल का अविष्कार किसने किया था? असल में अल्फाबेट्स का अविष्कार 1200 बीसी में Phoenicians ने किया था। लेकिन तब उन्होंने सिर्फ कॉन्सोनेंट का अविष्कार किया था। अब तकनीकी भाषा में सिर्फ कॉन्सोनेंट वाली स्क्रिप्ट को Abjad कहा जाता था। इसके बाद ही हिब्रू और अरामी, और बाद में अरबी और फारसी लिपि का अविष्कार हुआ। ये सभी राइट टू लेफ्ट लिखी जाती थीं।

अमित शाह के बयान को लेकर पूर्व जजों का आपस में ही भिड़ना गजब 'राजनीति' है

राजनीति में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करना, समूहों का टकराना और बयानों की तलवारें चलाना कोई नई बात नहीं है। परंतु हाल के दिनों में यह परंपरा अब न्यायपालिका से जुड़े सेवानिवृत्त जजों तक पहुँच गई है। सलवा जुडूम फैसले और गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व जजों के दो खेमों में खुला टकराव सामने आया है। यह दृश्य असहज इसलिए है क्योंकि न्यायपालिका को सदैव राजनीति से ऊपर और निष्पक्षता का प्रतीक माना जाता रहा है।

(नीरज कुमार दुबे)

दरअसल, समस्या इस बात की नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत। असली चिंता यह है कि पूर्व जजों के समूह अब राजनीति की भाषा में एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं। इससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर चोट पहुँचती है।

राजनीति में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करना, समूहों का टकराना और बयानों की तलवारें चलाना कोई नई बात नहीं है। परंतु हाल के दिनों में यह परंपरा अब न्यायपालिका से जुड़े सेवानिवृत्त जजों तक पहुँच गई है। सलवा जुडूम फैसले और गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व जजों के दो खेमों में खुला टकराव सामने आया है। यह दृश्य असहज इसलिए है क्योंकि न्यायपालिका को सदैव राजनीति से ऊपर और निष्पक्षता का प्रतीक माना जाता रहा है। जब पूर्व जज दो समूहों में बाँटकर सार्वजनिक बयानबाज़ी करने लगते हैं, तो यह संदेश जाता है कि न्यायपालिका की गरिमा और स्वतंत्रता केवल कागज़ पर बची है, व्यवहार में नहीं।

यह सही है कि कोई भी व्यक्ति सेवानिवृत्ति के बाद अपने विचार रखने के लिए स्वतंत्र है। यदि कोई जज राजनीति में प्रवेश करता है, तो उसे उसी राजनीतिक धरातल पर आलोचना भी सहनी होगी। लेकिन जब बड़ी संख्या में पूर्व न्यायाधीश सार्वजनिक तौर पर बयान देकर किसी नेता या उम्मीदवार के पक्ष-विपक्ष में उतरते हैं, तो वे केवल व्यक्तियों पर असर नहीं डालते बल्कि पूरे न्यायिक समुदाय की निष्पक्षता पर संदेह खड़ा कर देते हैं।

दरअसल, समस्या इस बात की नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत। असली चिंता यह है कि पूर्व जजों के समूह अब राजनीति की भाषा में एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं। इससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर चोट पहुँचती है। लोकतंत्र में अदालतों का सम्मान इसलिए होता है क्योंकि लोग मानते हैं कि वह राजनीति से परे हैं। यदि यह धारणा ही टूट गई, तो यह न केवल न्यायपालिका बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी घातक होगा। अब समय आ गया है कि पूर्व न्यायाधीश अपने मतभेदों को सार्वजनिक मंच पर उछालने से बचें। व्यक्तिगत राय रखने और सार्वजनिक रूप से राजनीतिक टकराव का हिस्सा बनने में अंतर है। न्यायपालिका की गरिमा बचाए रखना केवल मौजूदा जजों का नहीं, बल्कि सेवानिवृत्त जजों का भी कर्तव्य है। न्यायपालिका का सम्मान इसी में है कि वह राजनीतिक अखाड़ा न बने, बल्कि समाज के लिए नैतिक मार्गदर्शक बनी रहे।

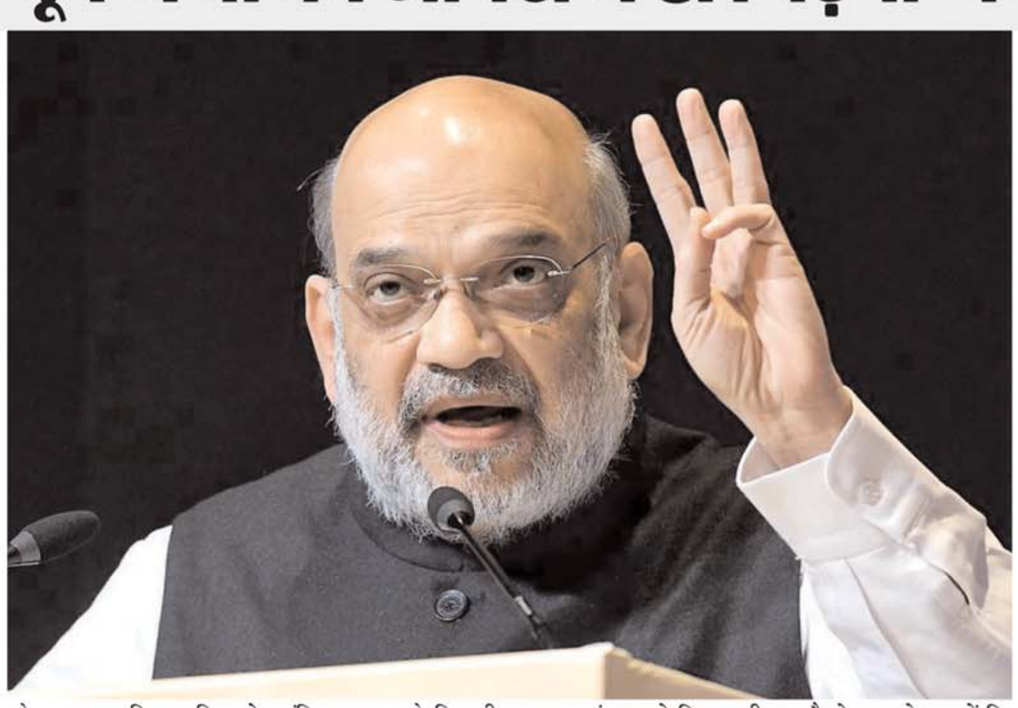

जहां तक पूरे विवाद की बात है तो आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल में दिए भाषण में कहा था कि जस्टिस सुदर्शन रेड्डी ने अपने सलवा जुडूम निर्णय से नक्सलवाद को बढ़ावा दिया। अअमित शाह का दावा था कि अगर वह निर्णय नहीं दिया गया होता तो नक्सलवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सर्वोच्च न्यायालय के 18 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने अमित शाह को पत्र लिखकर उनकी टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नाम लेकर हमला करने से बचने की सलाह दी। उनके अनुसार यह न्यायपालिका की गरिमा के खिलाफ है।

इसके ठीक अगले दिन 56 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों का समूह सामने आया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के चार पूर्व न्यायाधीश और पूर्व मुख्य न्यायाधीश- पी. सदाशिवम, रंजन गोगोई, एके सीकरी और एमआर शाह शामिल थे। इन न्यायाधीशों ने अपने वक्तव्य में कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता राजनीतिक बयानबाज़ी की ढाल नहीं बन सकती। बयान में कहा गया कि बार-बार कुछ पूर्व न्यायाधीश राजनीति से प्रेरित होकर बयान जारी करते हैं और न्यायपालिका को पक्षपाती दिखाते हैं। बयान में कहा गया कि यदि कोई सेवानिवृत्त न्यायाधीश राजनीति में आता है (जैसे जस्टिस रेड्डी ने विपक्ष का उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनकर किया), तो उसे उसी राजनीतिक क्षेत्र में जवाब देना होगा, न कि न्यायपालिका की ढाल के पीछे छिपकर।

देखा जाये तो यह प्रकरण इस बात को उजागर करता है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायाधीशों की व्यक्तिगत राजनीतिक पसंद के बीच की रेखा धुंधली हो रही है। अमित शाह के आलोचक पूर्व जज मानते हैं कि गृहमंत्री का बयान संस्थान की गरिमा पर चोट करता है। वहीं अमित शाह के समर्थन में खड़े न्यायाधीश कहते हैं कि समस्या आलोचना में नहीं, बल्कि पूर्व न्यायाधीशों द्वारा बार-बार राजनीतिक रंग में बयान देने में है।

बहरहाल, सलवा जुडूम के फैसले को लेकर शुरू हुआ विवाद अब न्यायपालिका की छवि और स्वतंत्रता पर विमर्श का रूप ले चुका है। अमित शाह की टिप्पणी ने बहस को तेज़ किया, लेकिन उससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि पूर्व न्यायाधीश दो खेमों में बंटकर न्यायपालिका को ही राजनीतिक बहस का हिस्सा बना रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम से यही प्रश्न उठता है कि क्या न्यायाधीशों को राजनीति में प्रवेश करने के बाद न्यायिक स्वतंत्रता की आड़ लेनी चाहिए, या फिर उन्हें उसी राजनीतिक धरातल पर खड़ा होकर आलोचना का सामना करना चाहिए? (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान की अदालत ने इमरान खान के भांजे शाहरेज को भेजा जेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भांजे शाहरेज खान को नौ मई दंगों से जुड़े मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है। शाहरेज पर सेना अधिकारी के घर पर हमले का आरोप है। उनका कहना है कि वे उस दिन चितरल में थे और यह राजनीतिक साजिश है। अदालत ने पुलिस की 30 दिन की रिमांड की मांग ठुकरा दी। मानवाधिकार संगठनों ने गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है।

डिमेंशिया से पीड़ित राल्फ लेरॉय मेंज़ीज़ की फायरिंग स्क्वाड से होने वाली फांसी पर लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के यूटा में सुप्रीम कोर्ट ने डिमेंशिया से पीड़ित राल्फ लेरॉय मेंजीज की फायरिंग स्क्वाड से होने वाली फांसी पर रोक लगा दी है। 67 वर्षीय मेंजीज को 1986 में मौरीन हंसाकर की हत्या के लिए 5 सितंबर को फांसी दी जानी थी। उनके वकीलों ने तर्क दिया कि मेंजीज डिमेंशिया के कारण अपनी सजा को समझने में असमर्थ हैं और शारीरिक रूप से भी बेहद कमजोर हैं। 2019 में, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भी मानसिक बीमारी से पीड़ित दोषियों की फांसी को अमानवीय बताते हुए रोका था। हंसाकर का शव अगवा होने के दो दिन बाद एक जंगल में मिला था।

90 फीसदी से अधिक अफगान लड़कियों की शिक्षा के समर्थक

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि 90 फीसदी से अधिक अफगान लोग लड़कियों की शिक्षा का समर्थन करते हैं, जबकि तालिबान अब भी माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध लगाए हुए है। रिपोर्ट 2,000 लोगों की राय पर आधारित है। यूएन महिला विभाग की सोफिया कॉलटॉर्प ने कहा कि अफगान परिवार अपनी बेटियों की पढ़ाई को लेकर दृढ़ हैं, पर प्रतिबंध मानसिक और स्वास्थ्य संकट बढ़ा रहे हैं। 97 फीसदी महिलाओं ने रोजगार प्रतिबंधों को विनाशकारी बताया। डब्ल्यूएचओ ने चेताया कि 22 मिलियन लोग मदद के मोहताज हैं, लेकिन जरूरी फंडिंग का केवल 24फीसदी ही मिला है।

कॉमिक-कॉन अफ्रीका : अंतरराष्ट्रीय सितारों के बीच कॉमिक बुक प्रेमी और कॉस्प्लेयर

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में छठे कॉमिक-कॉन अफ्रीका का आयोजन हुआ। यहां हजारों कॉमिक बुक प्रेमी और कॉस्प्लेयर पहुंचे। चार दिवसीय उत्सव के दौरान एनीमे, गेमिंग, कॉमिक्स और कॉस्प्ले से जुड़ी चीजों को प्रदर्शित किया गया। इसमें आर्केड गेम्स, ई-स्पोर्ट्स और कॉस्ट्यूम जैसी प्रतियोगिताएं भी शामिल रहीं। आयोजन निदेशक कार्ला मासमैन के अनुसार, रविवार तक 70,000 दर्शक पहुंचे। विविधता और एकता के प्रतीक इस आयोजन में जेसी टी. अशर, डैन फोगलर और मिशा कॉलिन्स जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे भी शरीक हुए। प्रशंसकों को पसंदीदा पात्रों की पोशाक पहनकर तस्वीरें खिंचवाते देखा गया। लोग एक-दूसरे के रचनात्मक कौशल की सराहना करते भी दिखे। दरअसल, यह आयोजन इसलिए चर्चा में रहा क्योंकि आमतौर पर कॉमिक-कॉन अफ्रीका सितंबर के अंत में आयोजित किया जाता है। हालांकि, इस साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के कारण इसे अगस्त में ही कर दिया गया। बता दें कि इस वर्ष के अंत में जोहान्सबर्ग में ही जी20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों का सम्मेलन आयोजित किया जाना है।

इस्राइल उत्तरी गाजा में मदद भेजना बंद कर सकता है

सैन्य आक्रमण बढ़ने के बीच इन विकल्पों पर मंथन

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल जल्द ही उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता को रोक देगा या उसे धीमा कर देगा। एक अधिकारी ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि इस्राइल ऐसा इसलिए कर सकता है, क्योंकि वह हमास के खिलाफ अपने सैन्य अभियान का विस्तार कर रहा है। यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है, जब एक दिन पहले ही गाजा सिटी को आधकारिक रूप से युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इस फैसले से इस्राइल सरकार की आलोचना और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि लगभग 23 महीने से जारी युद्ध में गाजा के लोगों और वहां बचे इस्राइली बंधकों की स्थिति को लेकर देश-विदेश में नाराजगी तेज हो रही है।

आने वाले दिनों में सहायता ट्रकों की संख्या घटाएगा इस्राइल

एक इस्राइली अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने बताया कि इस्राइल आने वाले दिनों में गाजा सिटी पर हवाई हमले बंद कर देगा और सहायता ट्रकों की संख्या घटा दी जाएगी। इसके साथ ही लाखों लोगों को दक्षिणी गाजा की ओर ले जाने की तैयारी हो रही है।

इस्राइल ने गाजा सिटी को बताया हमास का गढ़

इस्राइल ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को सहायता पहुंचाने के लिए दिन में लड़ाई रोक दी थी। इस्राइल ने गाजा सिटी को हमास का गढ़ बताते हुए दावा किया कि वहां अब भी भूमिगत सुरंगों का नेटवर्क सक्रिय है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगियों का कहना है कि इस्राइल की ये राहत व्यवस्था गाजा के लिए रोजाना जरूरी 600 ट्रकों की तुलना में बेहद कम है।

एक और बंधक के अवशेष मिले

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि शुक्रवार को गाजा में एक और बंधक के अवशेष मिले हैं। यह अवशेष इदान शितवी के हैं। कार्यालय के अनुसार, सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद इदान का नोवा संगीत समारोह से अपहरण कर लिया गया था। 250 से ज्यादा बंधकों में से अब 48 ही गाजा में बचे हैं। इस्राइल का मानना है कि इनमें से 20 जिंदा हैं। बंधकों के परिजनों को डर है कि सैन्य कार्रवाई बढ़ने से उनकी जान और खतरे में पड़ सकती है। शनिवार को उन्होंने एक बार फिर तेल अवीव में युद्धविराम की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

बड़े पैमाने पर विस्थापन की आशंका

हाल के दिनों में, इस्राइली सेना ने गाजा सिटी के बाहरी इलाकों पर हमले तेज किए हैं, जहां हाल ही में वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने अकाल की स्थिति घोषित की थी। शनिवार तक कई दिनों से गाजा में कोई हवाई आपूर्ति नहीं हुई थी। यह एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि इससे पहले लगभग रोजाना कुछ न कुछ राहत गिराई जाती थी। अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस की अध्यक्ष मिर्जाना स्पोल्जारिक ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर लोगों को गाजा सिटी से निकालना असंभव है, क्योंकि बुनियादी ढांचा तबाह हो चुका है और खाना, पानी, दवा, आश्रय हर चीज की भारी कमी है।

83 की उम्र में 23 साल के लड़के से प्यार, दादी की प्रेम कहानी जानकर रह जाएंगे हैरान

टोक्यो, एजेंसी। प्यार कब और किससे हो जाए, कोई नहीं जानता। कहा जाता है कि प्यार अक्सर तब होता है जब उसकी उम्मीद सबसे कम होती है, और कभी-कभी पूरी तरह असंभव तरीके से। जापान में 23 वर्षीय विश्वविद्यालय के छात्र कोफू और 83 वर्षीय आइको के बीच के रोमांस ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। 60 साल के उम्र के अंतर के बावजूद, उनकी प्रेम कहानी पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गई है। बताया जाता है कि मात्र पांच महीनों में ही उनका रिश्ता बहुत मजबूत हो गया है।

आइको और कोफू कौन हैं?

1942 में ओसाका में जन्मी आइको दो बार विवाह कर चुकी हैं। वह एक बेटे और एक बेटी की मां, पांच बच्चों की दादी और एक खूबसूरत वनस्पति उद्यान की मालकिन हैं, जो उनकी बागवानी के वर्षों के अनुभव का नतीजा है। उम्र के बावजूद वह सक्रिय, सुडौल और ऊर्जावान बनी हुई हैं। वह अपनी जवानी को बनाए रखने का श्रेय अपने रोजाना के व्यायाम को देती हैं। वहीं, कोफू अभी युवावस्था के शुरुआती दौर में है और ग्रेजुएशन कर रहा है। वह मानता हैं कि उसे हमेशा से बड़ी उम्र की महिलाओं की ओर आकर्षण रहा है, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे अपने से छह दशक बड़ी महिला के प्यार में पड़ जाएगा।

आइको और कोफू की मुलाकात कैसे हुई?: कोफू, आइको की पोती का सहपाठी है। वह उसके घर आया और तुरंत आइको से प्रभावित हो गया। शुरू में दोनों अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से हिचक रहे थे, क्योंकि उन्हें इस बात का अहसास था कि उनका रिश्ता कितना असामान्य लग सकता है। लेकिन हर मुलाकात के साथ वे एक-दूसरे के करीब आते गए, और धीरे-धीरे एक अनकही दोस्ती बन गई। इसके बाद आइको की पोती ने डिज्नीलैंड की यात्रा की योजना बनाई। इसी दौरान वह पल आया जिसने दोनों की दुनिया बदल दी। कोफू ने अपनी भावनाओं को साझा किया। आइको उसकी स्पष्टवादिता से प्रभावित हुईं और दोनों ने प्यार को फिर से तलाशने के लिए विश्वास की छलांग लगाने का फैसला किया।

गुप्त रोमांस से पारिवारिक स्वीकृति तक : शुरुआत में इस जोड़े ने अपने रिश्ते को गुप्त रखा, क्योंकि वे नहीं जानते थे कि लोग क्या कहेंगे। लेकिन जब सच्चाई सामने आई, तो उनके परिवारों ने उनका साथ देकर उन्हें हैरान कर दिया। तब से कोफू और आइको ने न केवल पांच महीने साथ बिताए हैं, बल्कि एक-दूसरे के साथ रहने भी लगे हैं। संयोगवश दोनों की शादी की सालगिरह वैलेंटाइन डे के दिन पड़ती है।

जनता की प्रतिक्रिया क्या रही?

सोशल मीडिया पर दोनों की लव स्टोरी ने बहस छेड़ दी है। कुछ लोग आश्चर्य और अविश्वास जता रहे हैं, और मजाक करते हुए कहते हैं कि वे अभी भी इस जोड़े को समझ नहीं पा रहे हैं। वहीं कई लोग इस जोड़े के साहस की तारीफ कर रहे हैं और कहते हैं कि भले ही यह रिश्ता अपरंपरागत हो, लेकिन उनकी खुशी निर्विवाद है।

तियानजिन में पीएम से मिलने के बाद रो पड़ी चीनी महिला

तियानजिन , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को चीन के तियानजिन शहर पहुंचे। वहां उनका भव्य स्वागत हुआ। पीएम मोदी की चीन यात्रा से चीनी लोग भी काफी उत्साहित दिखे। एक चीनी महिला, जिसके पति भारतीय हैं, ने पीएम मोदी से मिलने के बाद खुशी के कारण रो पड़ी। महिला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को देखकर वह खुशी से अभिभूत हो गई। उसने कहा कि मुझे भारत से प्यार है... मुझे प्रधानमंत्री मोदी से प्यार है।

बता दें कि तियानजिन के बिनहाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत के बाद प्रधानमंत्री मोदी होटल पहुंचे और वहां सांस्कृतिक कार्यक्रम देखे। महिला ने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए यहां आकर बहुत खुश हैं। इनमें पारंपरिक कथक और ओडिसी नृत्य शामिल थे। ओडिसी नृत्यांगना झांग जिंगहुई ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए प्रदर्शन करने के सम्मान के बारे में बताया। उसने कहा कि मुझे थोड़ी घबराहट हुई, लेकिन यह मेरे और मेरी टीम के लिए बहुत सम्मान की बात है। मैंने 13 साल से अधिक समय तक ओडिसी सीखी है। हमने दो महीने तक इसका अभ्यास किया और प्रस्तुति दी।

वहीं, चीनी कथक नृत्यांगना डू जुआन ने कहा कि पीएम मोदी के सम्मान में नृत्य करना अविस्मरणीय था। जुआन ने कहा कि मैं मोदी जी के लिए नृत्य करने को लेकर बहुत उत्साहित थी। यह जीवन भर का एक अविस्मरणीय अनुभव था। मुझे बहुत आनंद आया। एक अन्य भारतीय शास्त्रीय तबला वादक झुआंग जिंग ने कहा कि यह बहुत रोमांचक था। मुझे लगता है कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट के शौचालय में आई समस्या

बोतल में पेशाब करने के लिए मजबूर हुए यात्री

ब्रिसबेन, एजेंसी। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की एक फ्लाइट से अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। जहां यात्रियों को यात्रा के दौरान शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा, जब टॉयलेट खराब हो जाने के कारण उन्हें बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। यह घटना पिछले हफ्ते बाली (इंडोनेशिया) से ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) आ रही फ्लाइट में हुई। यह फ्लाइट बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित हो रही थी और गुरुवार दोपहर डेनपसार से रवाना हुई थी। उड़ान के समय एक पिछला टॉयलेट पहले से ही मरम्मत के चलते बंद था। लेकिन यात्रा के दौरान बाकी टॉयलेट भी खराब हो गए, जिससे यात्रियों को 6 घंटे की उड़ान में टॉयलेट की सुविधा नहीं मिली।

यात्रियों ने बताया अपना अनुभव : विमान में हुए इस कृत्य के बारे में यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान एक यात्री ने कहा कि आखिरी तीन घंटे बेहद मुश्किल भरे थे। कुछ लोगों को बोतल में पेशाब करना पड़ा, तो कई यात्री बदबू और असहजता से परेशान दिखे।

बुदुर्ग महिला को करना पर दिक्कत का सामना : यात्री ने बताया स्थिति इतनी खराब हो गई कि एक बुजुर्ग महिला के खुद को नहीं रोक पाने की वजह से वह सार्वजनिक रूप से पेशाब कर बैठीं, जिससे उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। वहीं एक यात्री ने बताया कि फ्लाइट के बीच में ही सभी टॉयलेट काम करना बंद कर दिए। बाकी समय हमें बोतल में या फिर पहले से गंदे टॉयलेट में ही पेशाब करने को कहा गया। यह अपमानजनक और तनावपूर्ण था।

एयरलाइन ने मांगी माफी : हालांकि मामे में वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने माफी मांगते हुए कहा कि वे यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद प्रकट करते हैं और प्रभावित लोगों को फ्लाइट क्रेडिट दिया जाएगा। एयरलाइन ने अपने स्टाफ की भी सराहना की जिन्होंने इस मुश्किल स्थिति को संभालने की कोशिश की। ऑस्ट्रेलियाई ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन ने इस घटना की आलोचना करते हुए इसे यात्रियों और क्रू के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरा बताया।

उड़ान के बीच बिगड़ी हालत : शुरुआत में यात्रियों को उम्मीद थी कि आगे किसी तरह काम चल जाएगा, लेकिन बीच सफर में स्थिति और बिगड़ गई। विमान के बाकी दो टॉयलेट भी खराब हो गए। नतीजा यह हुआ कि करीब छह घंटे तक यात्रियों के पास कोई वॉशरूम सुविधा नहीं रही। क्रू ने यात्रियों को बोतलें पकड़ाकर कहा कि मजबूरी में इन्हीं का इस्तेमाल करना होगा या फिर पहले से खराब पड़े टॉयलेट पर ही जाना पड़ेगा। कई यात्रियों ने मजबूरी में ऐसा किया भी।

लाहौर से मुल्तान तक तबाही, पंजाब प्रांत में 70 साल बाद आई भयानाक बाढ़, 30 की मौत और लाखों बेघर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आई भयानक बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। बीते 24 घंटे में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई है जबकि लाखों लोग बेघर हो गए हैं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन को कई जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक तक इस्तेमाल करना पड़ा ताकि बड़े शहरों को बाढ़ से बचाया जा सके।

शनिवार सुबह से हो रही मूसलधार बारिश ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने दो सितंबर तक और तेज बारिश की चेतावनी दी है। पंजाब प्रांत के करीब 1,700 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें सिखों का पवित्र स्थल करतारपुर भी शामिल है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के मुताबिक, 26 जून से शुरू हुए मानसून में अब तक देशभर में 842 लोगों की जान जा चुकी है।एनडीएमए ने चिनाब, रावी और सतलुज नदियों में बाढ़ की चेतावनी जारी की है। खासकर सतलुज नदी में 1955 जैसी स्थिति बन रही है। कसूर जिले में खतरा बढ़ता जा रहा है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने इसे सबसे भयानक बाढ़ बताया और कहा है कि मानसून का नौवां दौर दो सितंबर तक जारी रहेगा। राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है, लेकिन लगातार बारिश और नदियों के उफान से संकट और गहराता जा रहा है।

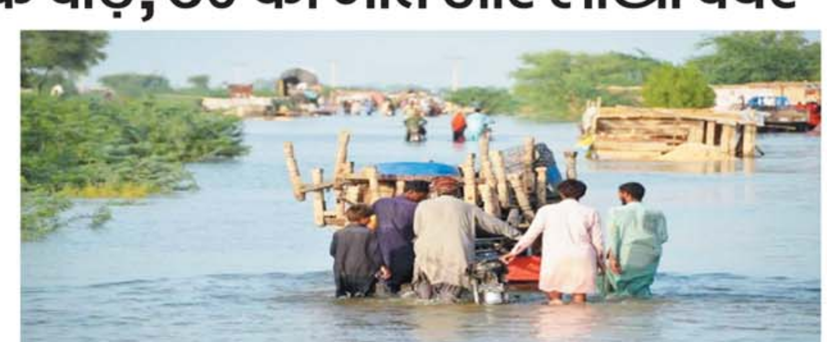

लाखों लोग बेघर, हजारों गांव डूबे

पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 30 लोगों की जान गई है। करीब 15 लाख लोग बेघर हो गए हैं। अब तक 5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लगभग 2,000 गांव डूब गए हैं और हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो गई है। प्रशासन ने मंडी बहाउद्दीन, चिनीओट और झंग समेत कई इलाकों में सात जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक का इस्तेमाल किया।

नदियों का उफान और खतरा बढ़ा

जानकारी के मुताबिक, केवल चिनाब नदी से 1,169 गांव प्रभावित हुए हैं। रावी नदी से 462 गांव और सतलुज से 391 गांव डूबे हैं। पूरे प्रांत में 351 राहत व मेडिकल कैंप चलाए जा रहे हैं। लाहौर में करीब 40 साल बाद दो दर्जन कॉलोनियां पानी में डूब गई। वहीं, मुल्तान शहर पर बाढ़ का बड़ा खतरा मंडरा रहा है क्योंकि चिनाब नदी में अगले 24 घंटे में 8 लाख क्यूसेक का पानी आने की आशंका जताई गई है।

मिस्र में यात्री ट्रेन पटरी से उतरी, तीन लोगों की मौत, 94 से ज्यादा घायल

काहिरा, एजेंसी। पश्चिमी मिस्र में शनिवार को एक यात्री ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में 94 यात्री घायल हो गए। हाल के वर्षों में मिस्र में हुई रेल दुर्घटनाओं की श्रृंखला में यह नवीनतम घटना है। रेलवे अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि देश के उत्तरी तट पर स्थित पश्चिमी भूमध्यसागरीय प्रांत मतरूह से काहिरा जाते समय ट्रेन के सात डिब्बे पटरी से उतर गए, जिनमें से दो पलट गए।स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि घायलों को अस्पतालों में पहुंचाने के लिए 30 एम्बुलेंस भेजी गईं। रेलवे अधिकारियों के बयान में कहा गया है कि पटरी से उतरने के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मिस्र में पुरानी रेलवे प्रणाली कुप्रबंधन से ग्रस्त है, इसलिए ट्रेनों का पटरी से उतरना आम है। पिछले साल अक्तूबर में, दक्षिणी मिस्र में काहिरा जाने वाली एक यात्री ट्रेन के पिछले हिस्से में एक इंजन टकरा गया था, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। हाल के वर्षों में, सरकार ने रेलवे में सुधार के लिए पहल की घोषणा की है। राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने 2018 में कहा था कि देश के उपेक्षित रेल नेटवर्क को ठीक करने के लिए लगभग 250 बिलियन मिस्री पाउंड या 8.13 बिलियन अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी।

यमन में इस्राइल ने किया हवाई हमला, हूती विद्रोही सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल रहावी की मौत

काहिरा, एजेंसी। इस्राइल ने एक बार फिर यमन की राजधानी सना पर हवाई हमले किया। बताया जा रहा है कि हमलों में हूती विद्रोही नियंत्रित सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल रहावी की मौत हो गई। साथ ही हमले में कई और मंत्रियों ने भी जान गंवा दी। हूती विद्रोहियों ने कहा कि अल-रहावी अगस्त 2024 से हूती नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री थे। उनको अन्य मंत्रियों के साथ सरकार की पिछले वर्ष की गतिविधियों और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित नियमित कार्यशाला के दौरान निशाना बनाया गया। वहीं इस्राइली सेना ने कहा कि उसने यमन के सना क्षेत्र में हूती आतंकी शासन के सैन्य ठिकाने पर सटीक हमला किया।

हमला उस वक्त किया गया जब शीर्ष नेता एक अपार्टमेंट में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक भाषण कार्यक्रम देख रहे थे। यमन के एक चैनल ने बताया कि हूती प्रधानमंत्री अल-रहावी अपने कई सहयोगियों के साथ एक अपार्टमेंट में थे। हमले में हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अथिफी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-गमारी के भी मारे जाने की संभावना है।

हमास के समर्थन में इस्राइल पर मिसाइल दागते रहें हैं हूती : गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध के दौरान हूतियों ने इस्राइल पर बार-बार मिसाइलें दागी हैं। हूती विद्रोहियों का कहना है कि ये हमले फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए किए जा रहे हैं। हालांकि यमन की ओर से दागी गई ज्यादातर मिसाइलें इस्राइल ने रोक लीं और हवा में ही उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। हूती संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय और सरकारी अधिकारियों के अनुसार इस सप्ताह के शुरू में इस्रालाी हमलों ने सना के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। इसमें कम से कम 10 लोग मारे गए और 102 अन्य घायल हो गए।

ट्रंप प्रशासन के साथ किया था समझौता

इससे पहले इस्राइल और अमेरिका ने यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर बमबारी की। इसमें सना और रणनीतिक तटीय शहर होदेदा भी शामिल था। इस्राइली हमलों के कारण मई में सना हवाई अड्डा सेवा से बाहर हो गया था।

ट्रम्प प्रशासन ने मई में हूतियों के साथ एक समझौते की घोषणा की थी। इसके तहत वे लाल सागर में जहाजों पर हमले बंद करने के बदले हवाई हमले बंद करेंगे। हालांकि, विद्रोहियों ने कहा कि इस समझौते में उन ठिकानों पर हमले रोकने की बात शामिल नहीं थी जो इस्राइल से संबद्ध हैं।

डीएवी किरन्दुल में स्थापना दिवस समारोह उत्साह एवं उमंग के साथ संपन्न

किरन्दुल। डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में विद्यालय का 36 वां स्थापना दिवस समारोह विद्यालय में हवन-पूजन के साथ हर्षोल्लास और गरिमामय में वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रबिद्र नारायण अधिशासी निदेशक बीआईओएम किरंदुल कंपलेक्स, नंदिता नारायण अध्यक्ष प्रेरणा महिला समिति किरंदुल के एल नागवेणी उपमहाप्रबंधक मानव संसाधन, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष के दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ जोन एफ की सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डॉक्टर चेतना शर्मा, एसकेएमएस सचिव राजेश संधू, तनवीर जावेद महाप्रबंधक मानव संसाधन, शैलेंद्र सोनी उप महाप्रबंधक मानव संसाधन, परियोजना विद्यालय के प्राचार्य सुनील दुबे, प्रकाश विद्यालय के प्राचार्य दिलीप मैथ्यू एवं अभिभावक गण उपस्थित थे। विद्यालय के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं विद्यालय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने उदबोधन में विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी एवं सभी को स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। नन्हें मुन्ने बच्चों के स्वागत नृत्य ने सभी अतिथियों का मन मोह लिया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत नीति सिंह नृत्य शिक्षिका, अर्चना बघेल संगीत शिक्षिका, खुशबू नंदेश्वर, स्मिता सिकदर सुचित्रा पुष्टि रंजीता लकड़ा, छाया देवांगन एवं अन्य शिक्षकों के सहयोग एवं मार्गदर्शन से स्वागत गीत, समूह गीत, संबलपुरी नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, छत्तीसगढ़ी नृत्य एवं शास्त्रीय संगीत के शानदार प्रदर्शन ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि के द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया एवं विद्यालय में 25 वर्ष का सेवाकाल पूर्ण करने पर शिक्षिका पी एस सीना को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृतिचिन्ह से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने उदबोधन में विद्यालय की अनुशासन शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना की सेवानिवृत शिक्षक प्रशांत राय के द्वारा प्रदत्त शारदा फाउंडेशन छात्रवृत्ति एवं सुवर्णा चाकी छात्रवृत्ति विद्यार्थियों को प्रदान की गई। डीजीएम नागवेणी ने छात्राओं को राज्यपाल पुरस्कार से पुरस्कृत किया एवं उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास केवल पुस्तकीय ज्ञान से ही नहीं बल्कि नैतिक मूल्यों अनुशासन और चारित्रिक दृढ़ता से होता है। डॉक्टर चेतना शर्मा ने विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे परिश्रम, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपना कर सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त करें। डीएवीगान के साथ विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक के पी सिन्हा द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका रेखा सिंह के द्वारा किया गया।

टेबल टेनिस राज्य रैंकिंग में इशी मिश्रा अव्वल, कोण्डागांव का नाम रोशन

कोण्डागांव। कोण्डागांव की बेटी इशी मिश्रा ने प्रथम राज्य स्तरीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025 (अंडर-11 वर्ग) में शानदार प्रदर्शन कर पहला स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि से न केवल जिला, बल्कि मां दंतेश्वरी स्पोर्ट्स अकादमी भी गौरवान्वित महसूस कर रही है। महेंद्र यदु ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि, लगभग 25 साल बाद कोण्डागांव जिले ने राज्य स्तर पर टेबल टेनिस में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। इसका श्रेय अकादमी की सतत मेहनत और समर्पण कोच अंजली ठाकुर एवं अकादमी के निर्माणकर्ता महेंद्र यदु को दिया जा रहा है। महेंद्र यदु ने आगे बताया कि, इशी मिश्रा की सफलता पूरे जिले के लिए गर्व का क्षण है और यह उपलब्धि जिले के अन्य खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहित करेगी। स्थानीय खेल प्रेमियों का कहना है कि इशी की यह सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी और जिले के बच्चों को खेलों में आगे बढ़ने का नया उत्साह प्रदान करेगी।

भारतीय थलसेना अग्निवीर भर्ती हेतु कौशल शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण के लिए 10 सितम्बर तक होगा पंजीयन

जगदलपुर। भारतीय सैन्य अग्निवीर थलसेना 2025-26 भर्ती अधिसूचना जारी किया गया था। जिसका कम्प्यूटर परीक्षा का आयोजन सेना भर्ती कार्यालय द्वारा की गई थी। कम्प्यूटर परीक्षा में बस्तर जिले के उत्तीर्ण अभ्यर्थी जो शारीरिक प्रशिक्षण के इच्छुक हो, वे उत्तीर्ण संबंधी दस्तावेज के साथ स्वयं कार्यलयीन समय में जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र आड़ावाल जगदलपुर में 10 सितम्बर

कुरूद में मनमोहक रूपों में विराजे गजानन स्वामी, श्री गणेश जी का बाल रूप और मंच सज्जा बनी आकर्षण का केंद्र

कुरुद । प्रतिवर्ष की परंपरा के तहत इस बार भी कुरूद नगर में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी की मनमोहक प्रतिमाओं की स्थापना की गई है। इस बार गजानन स्वामी की बाल प्रतिमाएं और आकर्षक मंच सज्जा आकर्षक का केंद्र बनी हुई और पूरे नगर मे उत्सव सा माहौल है।सुबह शाम भक्ति रस से सुसज्जित संगीत से पूरा कुरूद गणेश मय हो गया है। कुरूद से मुकेश कश्यप से मिली जानकारी अनुसार कुरूद नगर में इस बार एक से बढ़कर एक प्रतिमाओं की स्थापना हुई है जो की लोगों का मन मोह रही है।

जिनमे श्री गणेश जी की मनमोहक बाल रूप की प्रतिमाएं अलग अलग रूपों में विराजित है। बाल रूप में मोदक खाना, झुला झूलना, शिव जी के रूप में होना,महराज के रूप होना, महाराष्ट्र में विराजित होने वाले श्री गणेश जी के रूप में होना, शिव जी और माता गौरी के साथ परिवार के रूप में होना, बस्तर की संस्कृति में होना आदि मनभावन प्रतिमाएं सबका मन मोह रही है। इसी तरह इस बार बड़े शहरों की तरह बड़े बड़े मंच, आकर्षक साज सज्जा, भव्य लाइट डेकोरेशन आदि इस उत्सव की शोभा को महका रही है। कुरूद में इस बार भी नया बस स्टैंड, डिपो रोड, संजय नगर, कारगिल चौक, नया तालाब, वीरांगना समिति, पुराना बस स्टैंड, सरोजनी चौक, हुतात्मा चौक, डबरा पारा, ब्राह्मण पारा, पूराना बाजार, बैगा पारा, बजरंग चौक, श्री राधा कृष्ण मंदिर समिति, गांधी चौक, थाना चौक,यादगार मंच,धोबिनी पारा रोड़,धोबनी पारा दुर्गा मंच,दानी पारा,शंकर नगर,नया बाजार,इंदिरा नगर, स्कूल पारा,कचहरी चौक, सिरसा चौक,सूर्य नमस्कार चौक, रॉयल क्लब,जय श्रीराम गणेश उत्सव समिति कॉलेज रोड,केनाल रोड़ सहित दो दर्जन से भी अधिक स्थानों पर भव्य प्रतिमाएं श्री गणेश उत्सव पर्व की उमंग को दुगुना कर रही है। शाम होते ही पंडालों में भक्त पूरे आस्था भाव के साथ पूजा अर्चना कर बप्पा के सम्मुख जनकल्याण की अर्जी लगा रहे है। यह जानकारी मुकेश कश्यप ने दी।

नागरिक सेवा समिति बलौदाबाजार के ईक्कीस सदस्यों का जत्था अयोध्याधाम के लिए हुए रवाना

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार नगारिक सेवा समिति के 21 सदस्य पावन नगरी अयोध्या धाम में श्रीराम लला के दर्शन हेतु रवाना हुए हैं। बस स्टैण्ड बलौदाबाजार में उक्त जत्था को नागरिक सेवा समिति बलौदाबाजार के अध्यक्ष श्याम शुक्ला, शिव शंकर अग्रवाल एवं पत्रकार रामाधार पटेल ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किये। इस दौरान जय श्री राम के उदघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा था। जत्था बलौदाबाजार से बस द्वारा भाटापारा के लिए रवाना हुआ। वहीं भाटापारा से रेल मार्ग द्वारा अयोध्या धाम के लिए दर्शनार्थीगण रवाना हुए। इस अवसर पर नागरिक सेवा समिति के अध्यक्ष श्याम शुक्ला ने रामलला दर्शन के लिए रवाना हुए सभी सदस्यों को बधाई देते हुए उन्हे यात्रा की शुभकामनाऐं दी। इस अवसर पर समाजसेवी शिव शंकर अर्ग्रवाल एवं रामाधार पटेल ने कहा कि नागरिक सेवा समिति के अध्यक्ष शुक्ला के प्रयास से ही उक्त अवसर समिति के सदस्यों को प्राप्त हुआ है। जिनके लिए शुक्ला के प्रयास पर प्रसंशा व्यक्त करते हुए रवाना हुए तीर्थ यात्रियों के मंगल यात्रा की कामना की। यात्रा में शामिल सदस्य रामलला के दर्शन की कल्पना मात्र से ही गहरी आस्था और उत्साह से भर उठे। यात्रा दल ने नागरिक सेवा समिति के संरक्षक आर.एन वर्मा, देवेन्द्र कश्यप, संयोजक सोनचंद वर्मा, बुद्धेलाल साहू पत्नी लीला साहू, सदस्य तारणसिंह ठाकुर, अहिल्या ठाकुर, पुनीतराम वर्मा, कुशल वर्मा, बेदराम वर्मा, दुलारी वर्मा, पुष्पलता वर्मा, युगल किशोर साहू, गियासी साहू, जीवनलाल वर्मा, गायत्री वर्मा, सुरेन्द्र वर्मा, लेखा वर्मा, दिलीप कुमार कन्नौजे, छब्बी लाल साहू, नरेश कुमार सिरमौर शामिल है। सभी सदस्यों ने प्रस्थान से पूर्व बताया कि यह अवसर उन्हे समिति के अध्यक्ष श्याम शुक्ला के नेतृत्व में मिला है। जिसके लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बुजुर्गो को जीवन में एक बार अपने अरमान पुरा करने का अवसर मिलता है। सभी सदस्यों ने यह भी कहा कि अयोध्या धाम जाकर श्रीराम जन्म भूमि मंदिर में दर्शन करना वर्षो पुराना सपना था जो अब पूरा हो रहा है। अयोध्या में रामलला दर्शन के साथ साथ श्री राम मंदिर, हनुमानगढी, सरजुतट के धार्मिक स्थल वापसी में बनारस के काशी विश्वनाथ मंदिर एवं वहां के धार्मिक स्थलों का भ्रमण करेंगे।

हेड़सपाली में शराब बनाने और बेचने पर लगेगा 50 हजार जुर्माना

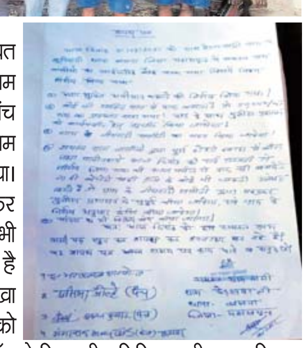

भंवरपुर। ग्राम हेडसपाली ग्राम पंचायत बुटीपाली में सरपंच रोहित साहू एवं ग्राम कोटवार श्याम कुमार चौहान, उपसरपंच सरोज साहू के उपस्थिति मे समस्त ग्राम वासीयों का सार्वजनीक बैठक रखा गया। जिसमे नशा मुक्ति अभीयान चलाकर शराबबंदी का निर्णय लिया गया, कोई भी व्यक्ति ग्राम में शराब बनाता है या बेचता है तो 50 हजार रूपये दण्ड का प्रवधान रखा गया। दण्ड के साथ पुलीस प्रशासन को कार्यवाहीत हेतु सूचीत किया जायेगा। गाँव मे निगरानी समिति का भी गठन किया। बताया गया है कि समस्त ग्रामवासियों द्वारा पूर्ण सर्व सहमति से यह निर्णय लिया गया है। इस दौरान ग्रामीणों ने शपथ लिया कि अब न तो शराब बनायेंगे और ना ही बेचेंगे। यदि ग्राम के कोई भी व्यक्ति इसका उल्लंघन करते हैं तो ग्राम के निगरानी समिति द्वारा पकड़कर पुलिस प्रशासन के सुपुर्द किया जावेगा, एवं ग्राम के निर्णय अनुसार दंडीत किया जावेगा। ग्रामीणों के अनुसार यहां गांजा का विक्रय भी बंद किया गया है।

खपरीकला के तीन खिलाड़ी का भारोत्तोलन राज्य स्तरीय स्पर्धा में चयन

तिल्दा-नेवरा। रायपुर जिला के तिल्दा जनपद क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खपरीकला से इस बार तीन तीन खिलाड़ी का चयन 4 से 7 सितंबर तक दुर्ग जिला के पाटन में होने वाले राज्य स्तरीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जिसमें कक्षा 12 वीं से 58 कि.ग्रा.में कीर्ति निषाद पिता उत्तर निषाद ने कुल 85 कि.ग्रा. वजन उठाकर, कक्षा 12वीं से 69 कि.ग्रा.में मानसी वर्मा पिता रमेश वर्मा ने कुल 77 कि.ग्रा. वजन उठाकर एवं कक्षा 11वीं से 71 कि.ग्रा. में हिमांशु निषाद पिता भागवत निषाद ने 95 कि.ग्रा. वजन उठाकर राज्यस्तरीय स्पर्धा में अपनी जगह बनाई। इस खबर से खपरीकला के साथ साथ पूरे तिल्दा नेवरा क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। खिलाड़ियों का चयन होने पर विद्यालय में खुशी का माहौल है। इस हेतु प्राचार्य पोलिकार्प तिर्की एवं समस्त स्टाफने बच्चों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेसित की है। शाला विकास प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डागेश्वर साहू ने भी खिलाड़ियों को बधाई के साथ-साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। खिलाड़ियों के राज्यस्तरीय स्पर्धा में पहुंचने पर इनका भी समय समय पर बहुत ही सहयोग रहा। खिलाड़ियों के कोच नीतू देवदास का कहना है बच्चे बहुत ही ज्यादा मेहनती और अनुशासित है और उन्हें उनके कड़ी मेहनत का फल मिला है। राज्यस्तरीय स्पर्धा में चयन पर खिलाड़ी बहुत ही ज्यादा खुश है और उनका श्रेय उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, पालक, अपने विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं ग्राम के लोगों के सहयोग को दिया और कहा कि इसी तरह अगर हर तरफ से सहयोग मिलता रहे तो उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

स्नेहा देवांगन का एमबीबीएस में चयन

कुरुद । हौसले यदि बुलंद हो और हिम्मत न हारने का संकल्प हो तो अभाव और बाधाओं की क्या औकात, इस वाक्य को चरितार्थ करती पचरीपारा कुरुद निवासी अजय देवांगन और बबीता देवांगन की सुपुत्री कु. स्नेहा देवांगन ने नीट की परीक्षा में बाजी मारकर एमबीबीएस में जगह बनाने में सफलता पाई है। निम्न मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी स्नेहा के पिता अजय देवांगन थ्रेड हाउस का दुकान चलाते हैं और माता बबीता सिलाई कढ़ाई का काम सिखाती हैं, दादा स्व. टेकराम देवांगन आयुर्वेदिक चिकित्सक थे उसके बाद एक पीढ़ी इस फील्ड से पृथक हो गई थी, एक बार फिर अपने दादा जी के सपनों को साकार करने स्नेहा ने कड़ी मेहनत की और पहली बार में बीएएमस में जगह बनाई पर सपना तो कुछ और था उसी सपनों को लेकर स्नेहा ने मेहनत शुरू की। परिणामस्वरूप इस वर्ष नीट परीक्षा में बेहतर अंक लाकर एमबीबीएस में जगह बना ली, वर्तमान में कोरबा मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिला है. स्नेहा के एमबीबीएस में चयन पर कुरुद विधायक अजय चंद्राकर, अध्यक्ष ज्योति भानु चंद्राकर, प्रेस क्लब अध्यक्ष मूलचंद सिन्हा, रविकांत चंद्राकर, भूपेंद्र चंद्राकर, असीम चंद्राकर वीरेंद्र बैस, महेश केला, प्रवीण केला, गोविन्द सद्दानी, सोनू अग्रवाल, संजू चैनवानी, सुनील जेठानी, तपन चंद्राकर, रमेशर ध्रुव, दौलत निर्मलकर, मुकेश साहू, जागेश्वर साहू, टीकम निर्मलकर, तेजराम सिन्हा, मनोज अग्रवाल आदि नगरवासियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ द्वारा मेन मार्केट किरन्दुल में द्वारा किया जा रहा हैं गणेशोत्सव का आयोजन

किरंदुल। किरन्दुल के मेन मार्केट में बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ द्वारा इस वर्ष भी गणेशोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा हैं। बता दें समिति द्वारा भव्य पंडाल बनाकर भगवान गणेश जी की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई हैं। 11 दिनों तक चलने वाली उक्त गणेशोत्सव में प्रतिदिन सुबह शाम बड़े हर्षोल्लास एवं पूर्ण भक्तिभाव विधि विधान के साथ पूजा पाठ सामूहिक आरती की जा रहीं हैं। इसके साथ ही रात्रि में महिलाओं एवं बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवम विभिन्न प्रतियोगिताऐं आयोजित की जा रहीं हैं। व्यापारी संघ के सदस्यों ने मंगलवार को बताया कि पिछले 55 वर्षो से संघ द्वारा धूमधाम से गणेशोत्सव का आयोजन किया जाता रहा हैं, जिसमें मेन मार्केट के अलावा नगर के विभिन्न क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचतें हैं एवं पूजन आरती में सम्मिलित होते हैं।

ग्राम बालपेट और भैरमबंद के अतिवर्षा प्रभावितों के राहत कैंपों का कलेक्टर ने फिर किया मुआयना

दंतेवाड़ा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने विगत दिवस जिला मुख्यालय से लगे अति वर्षा प्रभावित ग्राम बालपेट और भैरमबंद के राहत शिविरों का निरीक्षण करते हुए प्रभावितों को हर संभव मदद की प्रतिबद्धता को दोहराया। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भैरमबंद राहत शिविर में कुल 54 परिवारों के 204 लोग निवासरत हैं, इसी प्रकार बालपेट के राहत शिविर में 89 लोग रह रहे है। जिन्हें जिला प्रशासन द्वारा निरंतर सहयोग और सहायता प्रदान की जा रही है। इस दौरान उन्होंने राहत शिविरों में ठहरे ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि जब तक हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो जाते, तब तक राहत शिविरों का संचालन जारी रहेगा।

सर्वोत्तम प्रयासों से आदि कर्मयोगी अभियान का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : कलेक्टर ममगाई

आदि कर्मयोगी अभियान का उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

नारायणपुर। केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से पहुंचाने एवं आदिवासी समुदाय को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जनजाति कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदि कर्मयोगी राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसी क्रम में अभियान के सुचारु संचालन, बहुविभागीय समन्वय तथा प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नारायणपुर जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय उन्मुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के शुभारंभ में अभियान की संक्षिप्त जानकारी और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अपर कलेक्टर बिरेंद्र बहादुर पंचभाई ने अधिकारियों-कर्मचारियों से संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और समयबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं से वंचित जनों तक लाभ पहुंचाएं और नारायणपुर जिले में उत्कृष्ट परिणाम लाने का प्रयास करें। मुख्य कार्यपालन अभियंता पी.एच.ई. एस. के. वर्मा ने बताया कि आदि कर्मयोगी दल का गठन और उसकी कार्यप्रणाली कैसे होगी। वासुदेव भारद्वाज मंडल संयोजक आदिवासी विकास विभाग ने कहा कि यह अभियान विश्व के सबसे बड़े जनजातीय समुदाय को योजनाओं से जोड़ने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और 2047 तक विकसित भारत निर्माण के लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक होगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान आदिवासी अंचल में विकास की नई दिशा तय करेगा। इस अभियान के माध्यम से गांव-गांव तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और समुदाय को मिलकर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही आदिवासी परिवारों के जीवन में ठोस बदलाव लाया जा सकता है। कलेक्टर नारायणपुर प्रतिष्ठा ममगाई ने अभियान की सफलता हेतु बहुविभागीय समन्वय, सामुदायिक सहभागिता और समयबद्धता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने सर्वोत्तम प्रयासों से केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को शत-प्रतिशत पूरा करें तथा आने वाली समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें। यह अभियान स्मार्ट गवर्नेंस आधारित है, जो शिकायत निवारण, स्थानीय नियोजन और सेवाओं के निर्बाध वितरण में सहायक सिद्ध होगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी आकांक्षा शिक्षा खालको ने कहा कि ग्राम सभाओं, आदि सहयोगी, आदि साथी और जनजातीय नेतृत्व को साथ लेकर अभियान को सफल बनाया जाएगा। उन्होंने नारायणपुर एवं ओरछा विकासखंड के 138 ग्रामों में आदि सेवा केंद्र स्थापित करने की जानकारी दी। इन केंद्रों के माध्यम से योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग डॉ. राजेंद्र सिंह ने पीपीटी के माध्यम से आदि कर्मयोगी अभियान और उसके क्रियान्वयन की जानकारी दिया तथा अधिकारी-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों से संवेदनशीलता, समर्पण और संकल्प के साथ अभियान से जुड़ने की अपील की, ताकि आदिवासी समुदाय के अंतिम छोर तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप मंडावी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अभयजीत मंडावी, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, एनजीओ प्रतिनिधि और जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रतिभा शर्मा, परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग नारायणपुर ने किया।

पेंशनधारी कल्याण संघ की मासिक बैठक संपन्न

तिल्दा-नेवरा। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा की नियमित मासिक बैठक कर्मचारी भवन तिल्दा में सम्पन्न हुई। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा के महासचिव अभिमन्यु वर्मा ने बताया कि इस बैठक में अगस्त माह में जिन पेंशनरों का जन्मदिन पड़ता है, उन सभी आठ साथियों का जन्मदिन मनाया गया। उन्हें गुलाल लगाकर और श्रीफल समर्पित कर सम्मानित किया गया। संघ के अध्यक्ष रामावतार पांडेय का सम्मान 85 वर्षीय सेवानिवृत्त प्राचार्य रघुनंदन लाल वर्मा द्वारा किया गया। नरेन्द्र कुमार वर्मा, रघुनंदन लाल वर्मा, विष्णु प्रसाद वर्मा, महेश कुमार वर्मा, रामकुमार वर्मा, गोपाल प्रसाद वर्मा और भुनेश्वर प्रसाद वर्मा का सम्मान संघ के अध्यक्ष रामावतार पांडेय द्वारा किया गया। विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय तिल्दा से सेवानिवृत्त लेखापाल द्वारा उनके सेवानिवृत्ति पर श्रीरामचरितमानस गान का संगीत मय आयोजन किया गया। टीकाकार जवाहरलाल सिरमौर ने अरण्य कांड से नवधा भक्ति का वृतांत बड़े विस्तार पूर्वक वर्णन किया, जिससे सभी श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये। महिला भजन मंडली के सर्व नंदनी खिचरिया, शांति बाई वर्मा, लोकमति वर्मा, ऊषा बघमार, झांसी वर्मा, अंबिका वर्मा ने भजन की सुन्दर प्रस्तुति करके सबका मन मोह लिया। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा के समस्त साथियों द्वारा राज्य शासन से 2त्नमहंगाई भत्ता शीघ्र देकर आदेश जारी करने की मांग की गई। इस बैठक में संगठन के अधिकांश साथी उपस्थित हो कर संघ की एकता के लिए एकजुट रहने का संकल्प लिया। अस्सी वर्ष से ऊपर के पेंशनरों का सम्मान भी किया गया।

घर में मां लक्ष्मी के साथ किस देवता की प्रतिमा रखें...

वास्तुशास्त्र का हमारे जीवन में बहुत अधिक महत्व है। हमें वास्तुशास्त्र का ध्यान जरूर रखना चाहिए। वास्तु के मुताबिक, घर में सकारात्मक ऊर्जा रहने पर परिवार में सुख-समृद्धि, सुख, वैभव और अच्छी सेहत मिलती है। जबकि घर में नकारात्मक ऊर्जा होने पर व्यक्ति को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। घर के मंदिर में मां लक्ष्मी की प्रतिमा जरूर होनी चाहिए। मां लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है। मां लक्ष्मी के साथ ही कुछ देवताओं की प्रतिमा रखना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं वास्तु एक्सपर्ट के मुताबिक घर में मां लक्ष्मी के साथ किस देवता की प्रतिमा रखें।

भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्ति

वास्तु के अनुसार, भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति को घर के मंदिर में जरूर रखें। साथ ही, भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्तियों के सामने रोजाना दीपक जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से घर में धन की कमी नहीं होगी।

कुबेर भगवान की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा के स्वामी कुबेर हैं। जिन्हें धन के देवता के रूप में जाना जाता है। मां लक्ष्मी के साथ भगवान कुबेर की प्रतिमा भी रख सकते हैं।

विष्णु भगवान और मां लक्ष्मी की मूर्ति

घर के मंदिर में मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की प्रतिमा जरूर रखें। वास्तुशास्त्र के अनुसार भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा मंदिर में रखना शुभ होता है।

मंदिर के बर्तनों को चमकाने के लिए घर पर बनाएं क्लीनिंग पाउडर

त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है। करवाचौथ से लेकर अहोई अष्टमी, धनतेरस, दिवाली जैसे कई बड़े त्योहार आने वाले हैं। इन सभी त्योहारों के दिन घर की महिलाएं घर के मंदिर को साफ करने के बाद ही उसमें पूजा करती हैं। दरअसल, रोज-रोज धूप-दीप जलाने से पूजा के बर्तन अकसर काले पड़ जाते हैं। ऐसे में उन्हें पूजा करने से पहले साफ करना जरूरी हो जाता है। पूजा में रखें तांबे-पीतल के बर्तन को साफ करने के लिए सिर्फ साबुन-सर्फ ही काफी नहीं होता है। उसके लिए आपको खास क्लीनिंग पाउडर की जरूरत पड़ती है। जिसे ज्यादातर लोग बाजार से खरीदकर लाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं पूजा के बर्तनों को साफ करने के लिए आप घर पर ही बड़ी आसानी से क्लीनिंग पाउडर बना सकती हैं। आइए जानते है कैसे-

बेकिंग सोडा और डिटर्जेंट से बना क्लीनर

रात को सोने से पहले एक बर्तन में बेकिंग सोडा और डिटर्जेंट का घोल बनाकर तैयार कर लें। पूजा के बर्तनों को भी इस घोल में भिगोकर रख दें। सुबह इन बर्तनों को स्क्रब करते हुए साफ पानी से धो लें। पूजा के बर्तन चमक उठेंगे।

सफेद सिरके का क्लीनर

पूजा के बर्तनों को साफ करने के लिए एक गिलास पानी में दो चम्मच सफेद सिरका डालकर उबाल लें। अब इस पानी में साबुन मिला लें। पूजा के बर्तन साफ करने के लिए आपका क्लीनर बनकर तैयार है। इससे बर्तनों को धोएं।

गेहूं के आटे का क्लीनर

दो बड़े चम्मच गेहूं का आटा, एक बड़ा चम्मच नमक और एक बड़ा चम्मच सफेद सिरका मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को बर्तनों पर लगाकर स्क्रब से रगड़ते हुए साफ करके पानी से धो लें।

होममेड पितांबरी पाउडर

एक बर्तन में आधा कप लाल मिट्टी (मिट्टी का दीपक तोड़कर भी बना सकते हैं), एक कप गेहूं का आटा, आधा कप बेकिंग सोडा, एक कप नमक, आधा कप साइट्रिक एसिड और आधा कप साबुन का पाउडर मिलाकर रख लें। इन सभी को मिलाने से आपका होममेड पितांबरी पाउडर तैयार हो जाएगा।

बिंदी लगाने के लिए माथे की चुनें ये जगह

माथे पर बिंदी लगाना सुहागिन महिलाओं के लिए जरूरी होता है। कुंवारी लड़कियां भी बिंदी लगा सकती हैं और इसे लगाने से श्रृंगार पूरा हो जाता है। बिंदी लगाने की सबसे बड़ी खासियत है कि ये चेहरे को पूरी तरह से बदल देती है। अगर आप रोजाना बिंदी नहीं लगाती हैं और एक दिन लगाती हैं तो चेहरा बिल्कुल अलग नजर आता है। बिंदी की मदद से चेहरे का फोकस प्वाइंट बदल जाता है। जिससे फेस बिल्कुल अलग शेप में दिखता है। जानें माथे के बीच में कितनी ऊंचाई पर बिंदी लगाने से चेहरा लंबा और ओवल शेप में दिखने लगता है।

चेहरे का शेप दिखेगा अलग

1) अगर आप बिंदी दोनों आईब्रो के बीच में नीचे की तरफ लगाती हैं। तो इससे नाक पर फोकस प्वाइंट बनता है। ऐसा करने से नाक छोटी नजर आती है। जिन महिलाओं की नाक बड़ी है वो नाक छोटा दिखाने के लिए बिंदी को आईब्रो के बीचोंबीच थोड़ा नीचे लगा सकती हैं।

2) बिंदी अगर दोनों आईब्रो के ठीक बीच में लगाती हैं तो इससे चेहरा बिल्कुल राउंड शेप में नजर आता है। साथ ही सारा फोकस आंखों पर जाता है।

3) चेहरे को अगर ओवल शेप में दिखाना चाहती हैं तो बिंदी को ठीक आईब्रो के ऊपर लगाएं। ऐसा करने से आईब्रो पर नजर जाती है और चेहरा अंडाकार दिखता है।

4) बिंदी को अगर आईब्रो के बीच में थोड़ी ऊंचाई पर लगाती हैं तो इससे चेहरा भरा हुआ, लंबा और मैच्योर नजर आता है।

रीढ़ की हड्डी हेल्दी रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

अ रीढ़ की हड्डी को शरीर का सपोर्ट सिस्टम कहा जाता है। हर साल 16 अक्टूबर को वर्ल्ड स्पाइन डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य हर किसी को रीढ़ के स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बताना और रीढ़ की चोटों और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाना है। ऐसे में इस खास दिन पर जानिए कैसे स्पाइन को हेल्दी रखा जाए।

1) ज्यादा वजन रीढ़ की हड्डी पर अनावश्यक शारीरिक तनाव डाल सकता है। बहुत ज्याद वजन से समस्याएं बढ़ सकती है।
2) निकोटीन एक वैसोकॉन्स्ट्रिक्टर है, यह ब्लड वेसल्स को टाइट करता है, जिसकी वजह से ब्लड फ्लो भी कम होता है। ऐसे में रीढ़ की हड्डी में ऑक्सीजन और पोषण सीमित हो जाता है।
3) लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहने से रीढ़ की हड्डी पर असर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी को एक्टिव रखें। अगर काम पर लंबे समय तक बैठना है, तो बीच-बीच में ब्रेक लें। अपनी पीठ को लचीला रखने के लिए घूमें, टहलें और कभी-कभी व्यायाम करें।
4) योग काफी ज्यादा फायदेमंद होता है, जो मांसपेशियों को मजबूत और स्ट्रेच दोनों कर सकता है। योग की हर मुद्रा को करने से आपका खूब फायदा मिलेगा।
5) वॉटर थेरेपी पीठ की समस्याओं को कम करने में बहुत मददगार हो सकता है। वॉटर योग ताकत और आत्मविश्वास बनाने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है।
6) चाहे आप एक्सरसाइज के लिए चल रहे हों या कहीं जा रहे हैं, आपके द्वारा पहने जाने वाले जूते आपकी पीठ के निचले हिस्से को सहारा देने में जरूरी होते हैं। अच्छे जूते एक सपोर्ट करते हैं जो रीढ़ और शरीर को एक सीध में रहने में मदद करते हैं।
7) एक अच्छी पीठ की मालिश के कई फायदे हैं, जैसे ब्लड फ्लो में वृद्धि, तंग मांसपेशियों के आराम को बढ़ावा मिलता है। मालिश को रिलेक्सिंग बनाने के लिए जोरदार मालिश होना जरूरी नहीं है।

लाइफ में खुश रहने के लिए इन 5 बातों को जरूर जानें

सक्सेजफुल होने के लिए खुद पर फोकस करना जरूरी है। जब तक आप खुश होकर किसी काम की शुरुआत नहीं करेंगे। सक्सेज आसानी से हाथ नहीं लगेगी। इसलिए लाइफ कोच अक्सर अपने आप में इस तरह के 4-5 बदलावों को लाने के लिए बोलते हैं। जिससे ना केवल आप सक्सेजफुल बनें बल्कि लाइफटाइम हैप्पी भी रहें।

खुद को एक्सेप्ट करना सीखें

दूसरों के प्रभाव में आकर खुद के अंदर फिजिकल या इमोशनल बदलाव लाने की जरूरत नहीं है। अगर आपको लगता है कि आप जैसे भी हैं अच्छे हैं तो किसी की बात का निगेटिव असर पर्सनैलिटी पर ना पड़ने दें।

काम पूरा करने के लिए पूरी मेहनत लगाएं

जब भी किसी काम की शुरुआत करें तो अपना बेस्ट दें। उस काम को पूरा करने के लिए अपनी पूरी मेहनत और लगन लगा दें। भले ही उस काम में सक्सेस ना मिले लेकिन मन में किसी भी तरह का पछतावा नहीं रहना चाहिए।

जिस चीज को पसंद करें वो काम करें

अगर आपको कोई काम अच्छा लगता है और वो पॉजिटिव काम करके खुशी मिलती है तो जरूर करें। अपनी हॉबी और शौक को पूरा जरूर करें। इससे मेंटल पीस मिलता है और आप ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करते हैं।

अपने आप पर भरोसा रखें

आत्मविश्वास जरूरी है किसी भी काम को लाइफ में पूरा करने के लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस रखें। तभी कठिन से कठिन काम को करना आसान हो पाएगा।

खुद पर जुल्म ना करें

किसी काम को पूरा करने के लिए या करियर में आगे बढ़ने के लिए भी अपनी फिजिकल या मेंटल हेल्थ के साथ खिलवाड़ ना करें। जितना हो सके बस उतना ही करें क्योंकि सेहत और लाइफ सबसे ज्यादा जरूरी है।

खाने में बटर का इस्तेमाल करने से पहले जानें ये टिप्स

मक्खन का इस्तेमाल खाना बनाने में अक्सर किया जाता है। इससे बनी चीजों का स्वाद अलग ही होता है। सब्जी में मलाईदार टेक्सचर पाने के लिए मक्खन का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन कई बार इसका इस्तेमाल सही तरह से न किया जाए तो ये स्वाद को बिगाड़ सकता है। दरअसल, मक्खन बहुत जल्दी पिघल जाता है ऐसे में ध्यान हटते ही ये जल सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं मक्खन को जलने से रोकने के लिए कुछ बेहतरीन तरीकों के बारे में। ऐसा करके आप मक्खन को जलने से बचा सकते हैं।

हीट लेवल को देखें- मक्खन के जलने के पीछे मुख्य कारणों में से एक बहुत ज्यादा हीट लेवल है। ऐसे में जब भी आप इसे इस्तेमाल करें तो अपने पैन को मध्यम आंच पर गर्म करें और फिर मक्खन डालें। मक्खन के पिघलते समय उसे देखते रहें। ज्यादा तेज आंच पर इसे न रखें क्योंकि मक्खन बहुत जल्दी भूरा हो सकता है और जल सकता है।

तेल के साथ करें मिक्स- इसे जलने से रोकने के लिए मक्खन को पिघलाने से पहले पैन में जरा सा तेल का डालें। तेल मक्खन को सुरक्षित रखने में मदद करता है और जलने से कुछ हद तक बचा सकता है। आप किसी भी वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं इससे स्वाद खराब नहीं होगा।

मक्खन के रंग को देखें- जैसे-जैसे मक्खन गर्म होता है, यह झाग बनने और भूरा होने लगता है। मक्खन के पिघलते समय उसके रंग और सुगंध पर कड़ी नजर रखें। जब मक्खन हल्के सुनहरे भूरे रंग का होने लगे, तो इसे आंच से उतारें।

इस समय डालें मक्खन- मक्खन को जलने से बचाने के लिए इसे खाना पकने के अंत में डालें। आप सब्जी को आंच से उतारकर भी मक्खन डाल सकते हैं। इसकी गर्माहट से इसे धीरे से पिघलाया जा सकता है।

घर की साफ-सफाई का महत्व

घर की साफ-सफाई का महत्व तो हम सभी जानते हैं। भले ही सालभर में एक-दो बार त्यौहारों के दौरान ही घर की डीप क्लीनिंग हो,लेकिन रेगुलर बेसिस पर भी घर की बेसिक साफ-सफाई की जाती है। इसमें मुख्य रूप से झाड़ू और पोछा शामिल हैं। इंडियन घरों में तो खासतौर से झाड़ू लगाने के बाद जब तक पोछा ना मर दिया जाए, तब तक सफाई को कंप्लीट ही नहीं माना जाता। पोछा लगाने से घर की क्लीनिंग तो अच्छे तरीके से होती ही है लेकिन ये आपकी और भी तरीकों से मदद कर सकता है। जी हां, असल में आपकी रसोई में ही कुछ ऐसी चीजें रखी हैं जिन्हें पोछे के पानी में मिला लेने से ना सिर्फ घर की क्लीनिंग में मदद मिलती है, बल्कि घर की नेगेटिव ऊर्जा भी दूर होती है। तो चलिए इन्हीं चीजों के बारे में आज बात करते हैं।

पोछे के पानी में मिलाएं नमक

नमक का इस्तेमाल महज खाने-पीने में ही नहीं बल्कि कई चीजों में किया जाता है। नमक एक बेहतरीन क्लीनिंग एजेंट है जिसका इस्तेमाल आप घर की कई चीजों को साफ करने में कर सकती हैं। सिर्फ यही नहीं वास्तु शास्त्र में भी नमक को नेगेटिव ऊर्जा दूर करने वाला बताया गया है। ऐसे में अगर आप पोछे के पानी में एक चम्मच नमक डालकर, सारे घर में उसका पोछा लगती हैं तो इसके बहुत फायदे हो सकते हैं। ये घर की सारी नेगेटिविटी को दूर कर, घर में एक सकारात्मक माहौल बनाए रखने में मदद कर सकता है।

कपूर से दूर होगी घर की नेगेटिविटी

पोछे के पानी में आप कपूर की टिकिया भी मिला सकती हैं। कपूर भी एक बेहतरीन क्लीनिंग एजेंट है और साथ ही में हर तरह की नेगेटिविटी को दूर करने में भी बेहद कारगर है। इसी कारण पूजा-पाठ के दौरान भी कपूर जलाया जाता है। अगर आप कपूर मिले पानी से सारे घर में पोछा लगती हैं तो उससे घर की नेगेटिव एनर्जी दूर होती है और घर में खुशहाली और सुख-समृद्धि आती है।

नीम का पानी भी है कमाल

नीम के एंटी बैक्टिरियल गुणों के बारे में तो आप जानते ही होंगे। कई बीमारियों की छुट्टी करने वाले नीम को पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है। बस नीम के पत्तों को पानी में उबाल लें। अब इस बचे हुए पानी को पोछे के पानी में मिला लें। सारे घर में इसी पानी का पोछा लगाने से घर की डीप क्लीनिंग तो होगी ही, साथ ही घर में पॉजिटिविटी भी बनी रहेगी।

पोछे के पानी में मिलाएं थोड़ी हल्दी

हेल्थ से लेकर क्लीनिंग तक, हल्दी के ढेरों फायदे हैं। सिर्फ यही नहीं भारतीय रसोई की शान हल्दी को धार्मिक रूप से भी बहुत शुभ माना जाता है। अगर आप रोजाना पानी में थोड़ी सी हल्दी डालकर सारे घर में उसका पोछा मारती हैं, तो इससे घर की सफाई के साथ-साथ नकारात्मकता भी दूर होती है। हल्दी

सफाई के साथ एक भीनी स्मेल भी छोड़ती है, जो काफी फ्रेश फीलिंग देती है।

गुलाब जल या एसेंशियल ऑयल

पोछे के पानी में आप गुलाब जल या एसेंशियल ऑयल्स जैसे लेवेंडर, रोज, टी ट्री ऑयल आदि की कुछ बूंदे भी मिला सकते हैं। ये आपके घर में एक ताजगी भरा माहौल बनाए रखेंगे। वास्तु के हिसाब से भी इन्हें पोछे के पानी में मिलाने से घर में एक पॉजिटिविटी बनी रहती है। इससे आपका स्ट्रेस स्लेवल भी कम होगा और घर में बिना किसी रूम फ्रेशनर के खुशबू-दार माहौल बना रहेगा।

समाजसेवी इंद्रजीत सिंह (छोटू) को मिला सम्मान

श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पहले प्रकाश पर्व पर भव्य कीर्तन दरबार

भिलाई। गुरुद्वारा माता गुजरी जी हुड़को, भिलाई में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पहले प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को भव्य कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने संगत कर गुरुवाणी का रसपान किया और गुरु का लंगर ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ एवं युवा समाजसेवी इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने परिवार सहित माथा टेककर आशीर्वाद लिया। समाज में उनके निस्वार्थ सेवा कार्यों के चलते आज वे सिर्फ युवाओं के लिए ही नहीं बल्कि हर वर्ग के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुके हैं। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी द्वारा छत्तीसगढ़ सिख पंचायत के अध्यक्ष जसवीर सिंह चहल, सिख पंचायत के मुख्य पदाधिकारी, यूथ सिख सेवा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोटू), कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह, निर्मल सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया।

सेवा ही जीवन - इंद्रजीत सिंह की सोच- इंद्रजीत सिंह (छोटू) का मानना है कि गुरु के बताये मार्ग पर चलकर सेवा ही सच्ची श्रद्धा है। यही कारण है कि वे हमेशा समाज की भलाई के लिए आगे रहते हैं। चाहे धार्मिक आयोजन हो या फिर सामाजिक सरोकार, इंद्रजीत सिंह हर मोर्चे पर सक्रिय दिखाई देते हैं। उनकी सोच है कि सेवा से ही इंसान का असली मूल्यांकन होता है और इसी दिशा में वे युवाओं को जोड़ने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका- इंद्रजीत सिंह (छोटू) लंबे समय से समाजसेवा से जुड़े हुए हैं। कोरोना काल में उन्होंने और उनकी टीम ने हजारों जरूरतमंद परिवारों तक भोजन, दवाई और आवश्यक सामग्री पहुंचाई। गरीब और जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग कर उन्हें बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर किया। असहाय मरीजों के इलाज में आर्थिक सहयोग कर उनकी जिंदगी बचाने में अहम भूमिका निभाई। पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अभियान चलाया और युवाओं को इससे जोड़कर एक हरित समाज की नींव रखने का प्रयास किया। सामाजिक बुराइयों से युवाओं को दूर रखने के लिए खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया। प्रकाश पर्व का भव्य आयोजन-गुरुद्वारा परिसर को इस दिन विशेष रूप से सजाया गया था। रागी जत्थों ने मधुर वाणी से संगत को निहाल किया। श्रद्धालुओं ने गुरु के चरणों में अरदास कर शांति, भाईचारा और खुशहाली की कामना की। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी ने कहा कि समाज की असली ताकत सेवा और एकजुटता में है।

विसर्जन झांकियों के रूट पर पेचवर्क और कुंड सफाई के निर्देश

महापौर मधुसूदन यादव ने किया निरीक्षण

राजनांदगांव। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसे लेकर महापौर मधुसूदन यादव ने विसर्जन कुंड, साफ सफाई, सड़कों के पेचवर्क और बिजली व्यवस्था को लेकर निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि जिन-जिन मार्गों से विसर्जन झांकियां निकलेगी, वहां गढ्डों की मरम्मत की जाए। ताकि किसी तरह की दिक्कत न हो। इसी प्रकार शहर में साफ-सफाई कर जहां-जहां लाईट की समस्या है। वहां सुधार कर दुरूस्त किया जाए। महापौर ने कहा कि बारिश को देखते हुए नालों की सफाई कर पानी भरान क्षेत्रों में कच्ची नाली खोद निकासी की व्यवस्था करें। निरीक्षण के दौरान प्र.स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा, स्वच्छता निरीक्षक श्रीवास्तव सहित निगम का अमला उपस्थित था।

होटल ईशा में देह व्यापार का भंडाफोड़

होटल ईशा से मिली सूचना पर पुलिस की दबिश

दुर्ग। मुखबिर की सूचना पर नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर को जानकारी मिली कि गदा चौक स्थित होटल ईशा के मैनेजर शिव कुमार कुर्रे द्वारा अवैध धन अर्जित करने हेतु महिलाओं से देह व्यापार कराया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम होटल ईशा पहुंची और कार्रवाई शुरू की।

प्वाइंटर बनाकर की गई चालाकी से कार्यवाही- पुलिस टीम ने अपने एक कर्मचारी को प्वाइंटर नियुक्त कर 500-500 रुपये के दो नोट स्याही से चिन्हित किए और मैनेजर से बातचीत के बाद होटल में भेजा। निर्धारित संकेत मिलने पर पुलिस टीम ने होटल ईशा में दबिश दी।

मैनेजर के पास से बरामद हुए सबूत- मैनेजर शिव कुमार कुर्रे की तलाशी लेने पर पुलिस को चिन्हित किए हुए 500-500 रुपये के नोट मिले। इसके अलावा मौके से 05 डिब्बा जरूर कंपनी का आपत्तिजनक सामान, 03 मोबाइल फोन (रियलमी, ओप्पो और एक अन्य), तथा एक रजिस्टर जिसमें लड़के-लड़कियों के नाम व समय अंकित था बरामद किया गया। होटल मालिक और ग्राहक भी फंसे-पूछताछ में मैनेजर ने कबूल किया कि यह कार्य होटल के मालिक निक्कु उर्फ अमित के कहने पर किया जाता था। इसके अलावा कमरा नंबर 15 से ग्राहक शोएब खान को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से 02 डिब्बा आपत्तिजनक सामग्री और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।

दर्ज हुआ मामला- आरोपियों के विरुद्ध थाना वैशाली नगर में अपराध अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी-1. शिव कुमार कुर्रे - होटल मैनेजर, 2. मोहम्मद शोएब खान - ग्राहक, निवासी फरीद नगर 3. निक्कु उर्फ अमित - होटल ईशा का मालिक एवं संचालनकर्ता

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका- इस कार्रवाई में वैशाली नगर पुलिस टीम की त्वरित व प्रभावी कार्यवाही की सराहना की जा रही है।

महापौर का नागरिको की शिकायत पर औचक निरीक्षण सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर कार्रवाई तेज की

महापौर ने सफाई दरोगा को लगाई जमकर फटकार, नालियों की सफाई तल तक कराने और नाली के ऊपर अतिक्रमण हटाने का निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने वार्ड क्रमांक 18 और 19 का औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायज़ा लिया। इस दौरान उनके साथ निगम लोककर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल, पार्षद रंजीता पाटिल, सवित्री दमाहे, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा, उपअभियन्ता विकास दमाहे सहित निगम के अधिकारी और सफाई अमला मौजूद रहा। सुबह 9:30 बजे शुरू हुए निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने क्षेत्र की गलियों और नालियों का निरीक्षण किया। स्थानीय नागरिकों की शिकायत पर जब उन्होंने राइस मिल के पीछे बड़ी गलियों और नालियों की स्थिति देखी तो वहां भारी गंदगी पाई गई। सफाई कार्य में गंभीर लापरवाही देखकर वे नाराज़ हुई और मौके पर ही सफाई दरोगा को फटकार लगाते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को कार्रवाही करने के निर्देश दिए। महापौर ने अधिकारियों और सफाई अमले को स्पष्ट आदेश दिए कि वार्ड की गलियों और बड़ी-छोटी नालियों की सफाई तल तक की जाए। उन्होंने कहा कि नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए और इस संबंध में कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कैलाश नगर वार्ड 19 व 18 वार्ड के बीच निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि नाली निर्माण कार्य में ठेकेदार की लापरवाही के कारण निकासी व्यवस्था प्रभावित हो रही है। बड़ी नालियों के अंदर सेंट्रिंग मटेरियल छोड़े जाने से पानी की निकासी बाधित हो रही थी। इस पर उन्होंने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश लोक कर्म प्रभारी चंद्राकर ने अधिकारियों को दिए। महापौर ने क्षेत्र में जगह-जगह नालियों और गलियों के ऊपर अस्थायी निर्माण और अतिक्रमण देखकर नाराज़गी जताई और तुरंत बेदखली का आदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि आगे यदि इस तरह की लापरवाही या अवैध निर्माण पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। महापौर बाघमार ने नागरिकों और दुकानदारों को भी चेताया कि यदि वे सड़क किनारे या नालियों में कचरा फेंकते पाए गए तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा और आवश्यक होने पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि कई बार चेतावनी देने के बावजूद कुछ लोग नियम तोड़ रहे हैं, लेकिन अब नगर निगम प्रशासन कठोर रुख अपनाएगा।

महापौर ने जनता से अपील करते हुए कहा कि अपने घरों और दुकानों से निकलने वाला कचरा निगम की निर्धारित गाड़ियों को ही दें और सड़क या नालियों में गंदगी फैलाने से बचें। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था तभी बेहतर होगी जब प्रशासन और जनता दोनों मिलकर जिम्मेदारी निभाएँगे।

यूथ सिख सेवा समिति भिलाई ने दो जरूरतमंद बच्चों को दी छात्रवृत्ति

भिलाई। आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे दो बच्चों की शिक्षा बाधित न हो, इसके लिए यूथ सिख सेवा समिति भिलाई ने आगे आकर मदद का हाथ बढ़ाया। समिति ने छात्रवृत्ति प्रदान कर एक बच्चे की स्कूल फीस जमा कराई, वहीं दूसरे बच्चे के कॉलेज एडमिशन के लिए 25 हजार रुपए का सहयोग दिया। पहला लाभार्थी गुरुनानक स्कूल सेक्टर-6 का कक्षा 9वीं का छात्र है। परिवार बीते वर्ष की फीस और इस साल की पूरी फीस नहीं चुका पा रहा था। इससे बच्चे की पढ़ाई अधूरी छूटने का खतरा था। समिति ने 17,723 रुपए का चेक सौंपकर पूरा बोझ हल्का किया। 'हमारी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है। बेटे की पढ़ाई छूट न जाए, इसकी चिंता दिन-रात सताती थी। आज समिति की मदद से हमारे कंधों से बहुत बड़ा बोझ उतर गया। दिल से आशीर्वाद देते हैं।' दूसरा मामला सरस्वती ज्ञान मंदिर, कैंप-2 से जुड़ा है।

आयुक्त ने सड़कों के सौंदर्यीकरण के लिए लगाए जा रहे डिजाइनर पोल का किया निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक 01 नेहरू नगर भेलवा तालाब में आवश्यक सुधार कार्य, जुनवानी स्थित आनंद नगर में स्वीकृत रोड निर्माण, डिजाइनर पोल एवं तालाब की साफ-सफाई का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। आयुक्त पाण्डेय ने नेहरू नगर स्थित भेलवा तालाब के साफ-सफाई व्यवस्था को देखे और आवश्यक सुधार हेतु जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत को निर्देशित किए हैं। माननीय विधायक रिकेश सेन के विधायक निधि से भेलवा तालाब में आवश्यक संधारण कार्य हेतु निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। आवश्यक लाइटिंग, संधारण एवं पैंटीग का कार्य कराया जाएगा। जुनवानी स्थित आनंद नगर में नया रोड निर्माण किया जाना है, उक्त स्थल का अवलोकन कर रोड निर्माण कार्य शीध्र ही प्रारंभ करने निर्देशित किए हैं। एजेंसी से मौके पर निगम आयुक्त द्वारा चर्चा किया गया है जिसके अनुसार तत्काल कार्य प्रारंभ किया जाएगा । मॉडल टाउन में नेहरू नगर से सूर्या मॉल तक तक रोड सौंदर्यीकरण हेतु डिजाइनर पोल लगाया जा रहा है। जिसका निरीक्षण कर आयुक्त ने कार्य अतिशीध्र पूर्ण करने निर्देशित किए है। जिससे आगामी त्यौहार से पहले शहर के सड़को की प्रकाश व्यवस्था सुगम हो सके। आयुक्त ने कोहका आमा तालाब में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार करते हुए सौंदर्यीकरण हेतु निर्देशित किए है। आकर्षक सौंदर्यीकरण, फाऊंटेन, बोटिंग के साथ-साथ रोड से लगे हुए तालाबों में फूड जोन हेतु कुछ दुकानों का निर्माण हेतु चर्चा किया गया है। भेलवा तालाब, आमा तालाब एवं संजय नगर तालाब में व्यवस्थाओं के सुधार हेतु अच्छी पहल होगी। निरीक्षण के दौरान अभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा, बसंत साहू, चंदन निर्मल, सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला उपस्थित रहे।

नारकोटिक्स एक्ट के तहत जप्त मादक पदार्थों का नष्टीकरण, भारी मात्रा में नशे के सामान को किया गया नष्ट

दुर्ग। जिला दुर्ग पुलिस ने नारकोटिक्स एक्ट (एनडीपीएस एक्ट) के तहत जप्त भारी मात्रा में मादक पदार्थों का नष्टीकरण किया। इसमें 16 क्विंटल गांजा, हेरोइन, ब्राउन शुगर सहित बड़ी मात्रा में टेबलेट व कैप्सूल शामिल रहे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में हुई कार्रवाई- नारकोटिक्स सेल, पुलिस मुख्यालय, रायपुर के आदेशानुसार जिला स्तर पर गठित ड्रग्स डिस्पोजल समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दुर्ग की अध्यक्षता में यह नष्टीकरण कार्यवाही भिलाई इस्पात संयंत्र एवं थाना नेवई क्षेत्र में संपन्न हुई।

समिति के सदस्य रहे मौजूद- नष्टीकरण की इस महत्वपूर्ण कार्रवाई के दौरान समिति के सदस्य सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) दुर्ग एवं सी.आर. साहू, सहायक आबकारी आयुक्त, दुर्ग भी मौजूद रहे। 239 प्रकरणों में नष्टीकरण-जिले के विभिन्न थानों में दर्ज 239 प्रकरणों में जप्त नशीले पदार्थों और दवाइयों का नष्टीकरण किया गया। नष्ट किए गए मादक पदार्थों का विवरण-1620 कि.ग्रा. गांजा, 8 कि.ग्रा. गांजा का पौधा 277.29 ग्राम हेरोइन, 214.39 ग्राम ब्राउन शुगर, 1,94,856 नग टेबलेट, 76,258 नग कैप्सूल, इन सभी का नष्टीकरण भिलाई इस्पात संयंत्र परिसर में किया गया। नेवई में नष्ट की गई सामग्री-1212 नग सीरप,1400 नग इंजेक्शन, इनका नष्टीकरण थाना नेवई क्षेत्रान्तर्गत कराया गया। पुलिस का सख्त संदेश- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने कहा कि -नशे के खिलाफ दुर्ग पुलिस की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी है। नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जिले में नशे की रोकथाम के लिए लगातार कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

नीरज बाजपाई इंटरनेशनल स्कूलः दो छात्रों में मारपीट पुलिस से शिकायत नहीं, शिक्षा विभाग बेखबर

दो स्टूडेंट के बीच विवाद, अब एनएसयूआई ने की स्कूल प्रबंधन की शिकायत

■ मारपीट में स्टूडेंट को लगी गहरी चोट, दूसरे छात्र को किया गया सस्पेंड

राजनांदगांव। पैरेंट्स के लिए अब यह बड़ा सवाल हो गया है कि आखिर उनके बच्चे अब स्कूल में जब सुरक्षित नहीं है। दूसरी तरफ स्कूल मैनेजमेंट इस मामले को नियमों के तहत लाने की बजाय अपने में ही निपटाने में लगा है। ऐसा ही एक वाक्या नीरज बाजपाई इंटरनेशनल स्कूल में हुआ है, जहां दो हायर सेकेंडरी के स्टूडेंट के बीच जमकर मारपीट हो गई। झगड़ा ऐसा हुआ कि एक स्टूडेंट के मुंह से झाग निकलने लगा। उसे निजी अस्पताल ले जाकर उपचार कराया गया। लेकिन स्कूल प्रबंधन ने इसकी पूरे घटनाक्रम की जानकारी न तो पुलिस को दी न ही शिक्षा विभाग को। इसलिए यह मामला अब गंभीर नजर आ रहा है।

इस मामले को लेकर एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव व पूर्व पार्षद ऋषि शास्त्री ने जिला शिक्षा अधिकारी से इसकी शिकायत की है। उन्होंने छात्रों की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए मामले को संज्ञान में लेकर कार्रवाई करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार स्कूल में हुई घटना के बाद मैनेजमेंट ने मारपीट करने वाले स्टूडेंट को सस्पेंड भी कर दिया है, जिससे साफ है कि घटना असल में हुई है और प्रबंधन ने अपने स्तर पर उसे निपटाने का प्रयास किया है। इस कारण मैनेजमेंट को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मामले की जानकारी को लेकर स्कूल के डायरेक्टर नीरज बाजपाई से मोबाइल पर संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

स्कूल में सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल

स्कूल में इस तरह की मारपीट की घटना होना और उसके बाद स्कूल प्रबंधन का ऐसा रवैया। पूरे मामले को लेकर अब स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा कोलेकर भी सवाल उठ रहा है। क्योंकि जिस छात्र को मारपीट में चोट लगी है, उसे निजी हास्पिटल में ले जाया गया। नियमों के अनुसार मारपीट की चोट पर एमएलसी किया जाना था। क्योंकि यह क्राइम के कारण मेडिकल केस बना है। लेकिन इसे भी दरकिनार कर दिया गया।

दिन-रात 48 घंटे धरने पर कांग्रेसी, ओवरब्रिज नवनिर्माण की मांग, भाजपा पर जान और वोट की राजनीति का आरोप

कांग्रेसी वादा याद दिला रहे, अनदेखी पर बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

राजनांदगांव। खैरागढ़ ओवरब्रिज निर्माण को लेकर कांग्रेस बड़े आंदोलन की तैयारी के साथ मैदान पर दिख रही है। क्योंकि विधानसभा चुनाव के समय इस ब्रिज को बनाने का वादा दिया गया, लेकिन जिसकी अब तक शुरुआत नहीं हो सकी है, कांग्रेसी 48 घंटे दिन और रात के धरना प्रदर्शन पर बैठे हैं। यह प्रदर्शन 2 से 3 सितंबर के लिए है, बाकायदा ओवरब्रिज जिस जगह से शुरू होता है, वहीं कांग्रेसी धरना देकर बैठे हैं और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे है।

कांग्रेसियों ने कहा कि भाजपा सरकार को अपना वादा पूरा करना चाहिए, ओवरब्रिज को बने काफी साल हो गए है। अब जरूरत है कि उसका निर्माण कराया जाए। भाजपाई वादा करने के बाद भूल गए हैं,। नतीजा है कि पटरीपार रहने वाली बड़ी आबादी को हर दिन इसी ब्रिज पर जाम की समस्या से परेशान होना पड़ रहा है, लगातार हादसे हो रहे हैं। जिसमें छह से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। वैकल्पिक व्यवस्था कर यातायात बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन अब भी कारगार साबित नहीं हो रहा है। इस कारण हर दिन यहां ट्रैफिक का दबाव देखा जा सकता है।।

आगे आंदोलन की चेतावनी

कांग्रेसियों ने कहा कि अभी खैरागढ़ ओवरब्रिज को बनाने की मांग की जा रही है, जो वादा किया गया था उसे पूरा किया जाए।

इसके बाद भी यदि भाजपा सरकार ने ध्यान नहीं दिया गया तो यह आम जनता से जुड़ा हुआ मुद्दा है, इस पर आगे भी प्रदर्शन होगा और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

जान का सौदा और वोट की राजनीति- कुलबीर

शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा ने कहा कि भाजपा अपने वादे को भूल गई है। जब आने ड्उवाले दिनों में चुनाव आएगा, तब इस ओवरब्रिज को बनाने की प्रकिया को शुरू किया जाएगा। इसके बाद इसी के नाम पर वोट मांगा जाएगा। जबकि अभी जरूरत है इस ब्रिज को बनाने की, क्योंकि वाहनों की अत्याधिक आवाजाही के कारण सड़क हादसे हो रहे हैं। छाबड़ा ने कहा कि भाजपा जान का सौदा कर वोट की राजनीति कर रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com